हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 57 ● भिलाई, गुरुवार 17 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

स्पाइसजेट की दुबई जाने वाली 2 फ्लाइट 24 घंटे से ज्यादा लेट

नईदिल्ली। स्पाइसजेट की दिल्ली से दुबई जाने वाली 2 फ्लाइट 24 घंटे से ज्यादा लेट हो गईं। इसके बाद परेशान यात्रियों ने दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 पर प्रदर्शन किया। यात्रियों ने बताया कि इन दोनों उड़ानों का समय बार-बार बदला गया, जिसके चलते ये अपने निर्धारित समय से 24 घंटे से भी ज्यादा लेट हो गईं। इसके बाद गुस्साए करीब 200 यात्रियों ने टर्मिनल 3 पर प्रदर्शन किया। स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी 5111 सोमवार सुबह 7:45 बजे दिल्ली से दुबई के लिए रवाना होने वाली थी। बार-बार इसका समय बदला गया। पहले इसका प्रस्थान सोमवार शाम को तय किया गया और बाद में मंगलवार सुबह 9 बजे। हालांकि, खबर लिखे जाने तक विमान ने उड़ान नहीं भरी। वहीं, दूसरी फ्लाइट एसजी 5105 को सोमवार रात 10:10 बजे उड़ान भरनी थी। ये उड़ान भी 24 घंटे से ज्यादा लेट हो चुकी है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, दिल्ली से दुबई जाने वाली स्पाइसजेट की उड़ानों- एसजी 5111 और एसजी 5105 में परिचालन कारणों से देरी हुई है।

रिक्त पदों की वजह से ट्रिब्यूनल खत्म नहीं होने चाहिए: सुप्रीम

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की कि रिक्त पदों के कारण ट्रिब्यूनल निष्क्रिय नहीं होने चाहिए, और केंद्र सरकार से कहा कि वह नई नियुक्तियां होने तक ऐसे अर्द्ध-न्यायिक निकायों के रिटायर हो रहे पीठासीन अधिकारियों और सदस्यों का कार्यकाल एक महीने या उसके आसपास बढ़ाने पर विचार करे. इस मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने की. केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने पीठ से कहा कि नई नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू हो गई है और एड हॉक एक्सटेंशन की ऐसी किसी भी अर्जी पर विचार नहीं किया जाना चाहिए. अटॉर्नी जनरल का जवाब एक वकील की उस बात पर आया जिसमें उन्होंने अलग-अलग ट्रिब्यूनल में खाली पदों के बारे में बताया था, जिसमें डेट रिकवरी अपीलेट ट्रिब्यूनल भी शामिल है, जिसके कुछ सदस्य जल्द ही रिटायर हो रहे हैं. अटॉर्नी जनरल ने कहा, अब जब सब कुछ शुरू हो गया है।

भारत में बनेगी रूस की इवोल्गा एफजी ट्रेन

नई दिल्ली। भारत में पहली हाई-स्पीड ट्रेन यानी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन अगस्त 2027 से शुरू होने की उम्मीद है. इस बुलेट ट्रेन परियोजना का निर्माण जापानी तकनीक की मदद से किया जा रहा है. हाल में नई दिल्ली में संपन्न हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या रूस की इवोल्गा एफजी हाई-स्पीड ट्रेन भारत में भी दौड़ेगी. रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिक्स समिट के दौरान रूसी रोलिंग स्टॉक निर्माता कंपनी ट्रांसमाशहोल्डिंग (टीएमएच) ने भारत में इवोल्गा एफजी ट्रेन को संयुक्त रूप से विकसित और उत्पादित करने की पेशकश की है.

झीरम घाटी कांड-13 साल बाद एनआईए कोर्ट का बड़ा फैसला

झीरम घाटी नक्सली हमले के 10 दोषियों को फांसी की सजा

नई दिल्ली/ एजेंसी

झीरम घाटी हत्याकांड मामले में जगदलपुर की एनआईए कोर्ट ने 10 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के काफिले पर नक्सली हमला हुआ था। इसमें कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत 29 लोगों की मौत हुई थी। करीब 13 साल चली सुनवाई के दौरान 101 गवाहों के बयान दर्ज किए गए और दस्तावेजों को रिकॉर्ड पर लिया गया। जज ने अपने फैसले में कहा है कि आदेश की पुष्टि हाईकोर्ट करेगा। दोषियों को 30 दिन के अंदर हाईकोर्ट में अपील करने का अधिकार है। अभियोजन पक्ष ने दोषियों के लिए फांसी की सजा की मांग की थी, जबकि बचाव पक्ष ने सजा कम करने की दलील दी थी। 13 साल पहले बस्तर में कांग्रेस अपनी परिवर्तन यात्रा निकाल रही थी। 25 मई 2013 की शाम यह यात्रा सुकमा की ओर से लौट रही थी। काफिला जब दरभा क्षेत्र की झीरम घाटी से गुजर रहा था, तभी माओवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। हमले की शुरुआत आईईडी विस्फोट से हुई। इसके बाद सड़क पर पेड़ गिराकर रास्ता बंद किया गया और जंगल से काफिले पर गोलियां बरसाई गईं। कुछ ही देर में पूरा इलाका गोलियों की आवाज से गूंज उठा। नक्सलियों ने नेताओं और सुरक्षाकर्मियों को अलग-अलग कर दिया। माओवादियों का खास निशाना

महेंद्र कर्मा थे। नंदकुमार पटेल, उनके बेटे दिनेश पटेल और कई अन्य लोगों की भी हत्या कर दी गई। एक ही हमले में कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश नेतृत्व के कई प्रमुख नेताओं की मौत हो गई थी। झीरम हमला अचानक लिया गया फैसला नहीं था। इसके लिए कई सप्ताह पहले से तैयारी चल रही थी। माओवादियों की शुरुआती योजना सुकमा के मिनपा क्षेत्र में सुरक्षा बलों की चौकी पर हमला करने की थी। फरवरी 2013 में बीजापुर के पिडिया गांव में हुई बैठक में रणनीति बदली गई। बैठक में फैसला हुआ कि हमला मिनपा के बजाय दरभा क्षेत्र में किया जाएगा। यह निर्णय वरिष्ठ माओवादी कमांडर देवजी की मौजूदगी में लिया गया था। 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा का काफिला दरभा क्षेत्र की झीरम घाटी से गुजर रहा था। इसी दौरान माओवादियों ने घात लगाकर हमला किया था। हमले में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं, सुरक्षाकर्मियों और अन्य लोगों समेत 32 लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई लोग घायल हुए थे। एनआईए की विशेष अदालत से मृत्युदंड की सजा मिलने के बाद मामले की अगली कानूनी प्रक्रिया पर भी नजर रहेगी। दोषियों को अदालत के फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील का कानूनी अधिकार है। ऐसे में अब इस मामले में आगे की कार्रवाई हाईकोर्ट में होने वाली संभावित अपील पर निर्भर करेगी।

हाई कोर्ट के फैसले से मैं संतुष्ट नहीं हूं: टीएस सिंह देव

झीरम घाटी मामले में हाई कोर्ट के फैसले पर टीएस सिंह देव ने कहा कि, हाई कोर्ट के फैसले से मैं संतुष्ट नहीं हूं। झीरम घाटी घटना में अभी तक पूरी तरह न्याय नहीं मिल सका है। पार्टी कार्यक्रम प्रभारी के नाते डीजीपी और आईजी कार्यालय को लिखित में सुरक्षा की सूचना दी गई थी। दो दिनों तक कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था रही, लेकिन तीसरे दिन सुकमा जाते समय रास्ते में सुरक्षा नहीं मिली। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि, बार-बार सूचना देने के बावजूद पर्याप्त सुरक्षा नहीं दी गई और हमें नक्सलियों के बीच जाने के लिए छोड़ दिया गया। झीरम घाटी घटना की पूरी जिम्मेदारी तत्कालीन शासन-प्रशासन की है, घटनास्थल पर पर्याप्त सुरक्षा बल क्यों तैनात नहीं था, इसका जवाब मिलना चाहिए।

संघ ने बनाया अनौपचारिक पैनल

भागवत ने बताया था नैतिक पतन का कारण

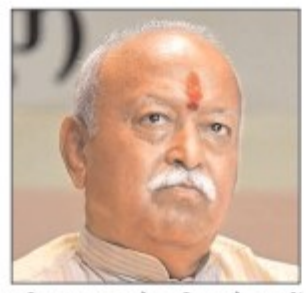

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर परसे जा रहे बोल्ड और विवादित कटेंट पर नकेल कसने के लिए अब सीधी दखल देने की तैयारी में है। संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा ने करीब दो साल पहले ओटीटी सामग्री को 'नैतिक पतन' की वजह बताई थी। अब संघ ने इस तथाकथित 'सांस्कृतिक प्रदूषण' से निपटने के लिए एक गोपनीय अनौपचारिक पैनल का गठन किया है। अंग्रेजी अखबार 'द इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ महीने पहले गठित किए गए एक विशेष समूह ने पिछले महीने अपनी पहली अहम बैठक भी पूरी कर ली है। आरएसएस द्वारा गठित इस अनौपचारिक पैनल में शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े वरिष्ठ प्रचारकों के साथ ही कई विश्वविद्यालयों के पूर्व कुलपतियों को भी शामिल किया गया है। रिपोर्ट में संघ सूत्रों के हवाले से बताया गया कि यह समूह व्यापक विचार-विमर्श के बाद एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार करेगा।

बड़ा नुकसान नहीं, फिर भी भारत ने क्यों जताई नाराजगी

समंदर में भारतीय युद्धपोत से टकराया पाकिस्तानी नेवी का जहाज, भारत ने राजनयिक को किया तलब

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच समुद्री मोर्चे पर तनाव बढ़ाने वाली एक घटना सामने आई है। 15 सितंबर की शाम उत्तर अरब सागर में भारतीय नौसेना के एक फ्रंटलाइन युद्धपोत और पाकिस्तान नौसेना के एक जहाज के बीच टक्कर हो गई। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज एक नियमित निगरानी मिशन पर तैनात भारतीय युद्धपोत के बेहद करीब तेज गति से आया और इस दौरान उसने गैर-पेशेवर तथा असुरक्षित तरीके से मैन्युवरिंग की। इसी वजह से दोनों जहाजों की टक्कर हुई। हालांकि, टक्कर में किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। घटना के बाद भारत ने इसे गंभीरता से लिया है और पाकिस्तान के राजनयिक को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय नौसेना का फ्रंटलाइन युद्धपोत उत्तर अरब सागर में नियमित निगरानी मिशन पर था। इसी दौरान पाकिस्तान नौसेना का एक जहाज तेज गति से भारतीय युद्धपोत के करीब आया। बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी जहाज की मैन्युवरिंग को असुरक्षित और गैर-पेशेवर माना गया। दोनों जहाजों के बीच पर्याप्त दूरी नहीं रह गई और आखिरकार

उनकी टक्कर हो गई। फिलहाल सार्वजनिक तौर पर दोनों जहाजों के नाम और टक्कर की सटीक लोकेशन जैसी तकनीकी जानकारी सामने नहीं आई है। घटना में फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन मामला इसलिए गंभीर है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दोनों देशों के युद्धपोतों की सुरक्षित दूरी और संचालन को लेकर भारत-पाकिस्तान के बीच पहले से समझौता मौजूद है। भारत के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को नई दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के कार्यवाहक राजदूत को तलब किया। उनके सामने पाकिस्तानी नौसैनिक इकाइयों के व्यवहार को अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। भारत ने कहा कि इस घटना में पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज का आचरण अप्रैल 1991 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य अभ्यासों, युद्धाभ्यासों और सैनिकों की आवाजाही के बारे में अग्रिम सूचना पर समझौता के आर्टिकल 10 के सीधे खिलाफ था।

भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ का खतरा

सरकार की विदेश और व्यापार नीति बुरी तरह फेल-मल्लिकार्जुन

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिका की संसद में आज एक महत्वपूर्ण बिल पर अंतिम वोटिंग होनी है, इसके बाद इस बिल को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास कानून बनाने के लिए भेजा जाएगा। इस बिल के पास हो जाने से राष्ट्रपति के पास रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का अधिकार मिल जाएगा। माना जा रहा है कि ट्रंप भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगा सकते हैं। इसी बीच इसे लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इसे सरकार की विदेश और व्यापार नीतियों नाकामी बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, आपके प्यारे दोस्त अबकी बार ट्रंप सरकार का हुक्म चलता है, आप घुटने टेक देते हैं और नतीजा 140 करोड़ भारतीयों को भुगतना पड़ता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा कि भारतीय सामान पर 100 प्रतिशत तक अमेरिकी टैरिफ की धमकी दिखाती है कि आपकी सरकार की विदेश और व्यापार नीतियां कितनी बुरी तरह फेल हो गई हैं। खरगे ने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग का सामान, केमिकल, ऑटो पार्ट्स, रत्न और आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स और टेक्नोलॉजी सेक्टर को इस भारी भरकम टैरिफ का जबरदस्त झटका लग सकता है। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा पहले 25 प्रतिशत टैरिफ आया, फिर 50 प्रतिशत, और अब 100 प्रतिशत का खतरा है।

डॉ. वत्सला अग्रवाल को मिली चार हफ्ते की अंतरिम जमानत को आगे बढ़ाने से इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के बहुचर्चित दवा और चिकित्सा उपकरण खरीद घोटाले में आरोपी पूर्व स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. वत्सला अग्रवाल को मिली चार हफ्ते की अंतरिम जमानत को आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया. स्पेशल जज विद्या प्रकाश ने कहा कि आरोपी को जिन दवाईयों को खाने की सलाह दी गई है वो जेल में भी उपलब्ध कराई जा सकती हैं. कोर्ट ने कहा कि 18 अगस्त को कोर्ट ने चार हफ्ते का जो अंतरिम जमानत दिया था, उस अवधि के पूरा होने पर आरोपी जेल में सरेंडर करेंगी. 18 अगस्त को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने एक लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही रकम के दो जमानतियों की शर्त पर रिहा करने का आदेश दिया था.

मुंबई में लालबागचा राजा के दर पर पहुंचे बीजेपी अध्यक्ष

भारत के विकास में महाराष्ट्र का अहम योगदान: नितिन नबीन.....

मुंबई/ एजेंसी

गणेशोत्सव के पावन पर्व पर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में भक्ति और राजनीति का अद्भुत संगम देखने को मिला। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन अपने मुंबई प्रवास के दौरान आस्था के रंग में रंगे नजर आए। अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार महाराष्ट्र पहुंचे नितिन नबीन ने करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र लालबागचा राजा और प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की। मुंबई पहुंचते ही नितिन नबीन का स्वागत गणेशोत्सव के जयकारों के साथ हुआ। सबसे पहले वे प्रभादेवी स्थित प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विघ्नहर्ता भगवान गणेश का विधिवत पूजन-अभिषेक किया और देशवासियों की समृद्धि की कामना की। इसके तुरंत बाद वे लालबागचा राजा के दरबार में पहुंचे। राजा के चरणों में लीन होकर उन्होंने देश की अखंडता, प्रगति, लोककल्याण और जन-सामान्य की उन्नति के लिए बाप्पा से प्रार्थना की। महाराष्ट्र दौरे पर पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का बेहद गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उनकी अगवानी की और स्नेहपूर्वक स्वागत किया। इस दौरान भाजपा मुंबई अध्यक्ष व विधायक अमित साटम, कैबिनेट मंत्री एड. आशीष शेलार, मंत्री जयकुमार रावल, मुंबई की महापौर रितु तावडे समेत पार्टी के कई वरिष्ठ विधायक और पदाधिकारी उपस्थित थे।

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

पीएम के लिए बेसिक सैलरी लिमिट 15,000 से बढ़कर 25,000

नई दिल्ली/ एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि यानी ईपीएफ को पर मोदी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मोदी सरकार ने पीएफ के लिए बेसिक सेलरी लिमिट 15000 से बढ़ाकर 25 हजार कर दी है। अब कंपनियों को 25 हजार रुपए तक की बेसिक सैलरी वाले कर्मचारियों को पीएफ के दायरे में शामिल करना ही होगा। मोदी कैबिनेट की बैठक में पीएफ पर बेसिक सैलरी लिमिट बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इससे 51 लाख कर्मचारियों को पीएफ बचत और पेंशन का सीधा फायदा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि पहले 15 हजार रुपए से ज्यादा बेसिक सेलरी वाले कर्मचारियों का पीएफ कटना या न कटना उनकी मर्जी पर डिपेंड करता था। नए आदेश से 25 हजार रुपए की लिमिट होने के बाद पीएफ कटने से कर्मचारी की सेविंग बढ़ेगी और रिटायरमेंट पर बड़ा फंड मिलेगा। इस पर भारत सरकार का अनुमानित खर्च हर साल लगभग 11,339 करोड़ रुपये होगा। आसान भाषा में समझें तो अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी + महंगाई भत्ता अगर 25,000 या उससे कम है, तो कंपनी को उस कर्मचारी को ईपीएफ में शामिल करना अनिवार्य है। अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी और डीए मिलाकर 25,000 या उससे कम है, तो उसे ईपीएफ के दायरे में शामिल करना कंपनी के लिए जरूरी होगा। वहीं, अगर किसी कर्मचारी की

बेसिक सैलरी +डीए 25,000 से ज्यादा है और वह पहली बार नौकरी कर रहा है यानी पहले से ईपीएफ का सदस्य नहीं है, तो उसके लिए ईपीएफ में शामिल होना अनिवार्य नहीं होगा। ऐसे कर्मचारी के पास ईपीएफ लेने या नहीं लेने का विकल्प रहेगा। यहां एक बात यह भी समझना जरूरी है कि ईपीएफ में अनिवार्य योगदान की वेतन सीमा 15,000 ही रहेगी। यानी कंपनी और कर्मचारी का अनिवार्य ईपीएफ योगदान 15,000 तक की सैलरी के हिसाब से ही तय होगा। उदाहरण के लिए, अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी और डीए मिलाकर 20,000 है, तो उसे ईपीएफ में शामिल करना अनिवार्य होगा, लेकिन अनिवार्य योगदान 15,000 की सीमा तक ही होगा। इस फैसले से सरकारी खजाने पर भी अतिरिक्त खर्च आएगा। सरकार ने अनुमान लगाया है कि इससे सालाना करीब 11,339 करोड़ का सरकारी खर्च होगा, जबकि मौजूदा बजटीय सहायता करीब 10,250 करोड़ है। पांच साल में अनुमानित खर्च लगभग 56,696 करोड़ बताया गया है। ईपीएफओ पहले से ही भारत की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाओं में शामिल है और करोड़ों कर्मचारियों तथा पेंशनरों को कवर करता है।

17 सितंबर से लागू होगी नई लिमिट....

सरकार के मुताबिक, ईपीएफओ की नई वेज सीलिंग 17 सितंबर 2026 से लागू होगी। इसके बाद पीएफ कवरेज के लिए बेसिक सैलरी की सीमा 15,000 से बढ़कर 25,000 प्रति माह हो जाएगी। यानी 15,000 से 25,000 के बीच बेसिक सैलरी पाने वाले नए कर्मचारियों का एक बड़ा हिस्सा ईपीएफओ के अनिवार्य सोशल सिक्योरिटी कवरेज के दायरे में आ सकेगा। ईपीएफओ की वेज सीलिंग लंबे समय तक नहीं बदली थी। सितंबर 2014 में इसे बढ़ाकर 15,000 प्रति माह किया गया था। अब सरकार ने इसे बढ़ाकर 25,000 करने का फैसला किया है। सरकार का कहना है कि यह बदलाव मौजूदा वेतन स्तर, आय में बढ़ोतरी और फॉर्मल रोजगार के विस्तार को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

सेवा संकल्प से कुम्हार नारद चक्रधारी की बदली राह, इलेक्ट्रिक चाक मिलने से बढ़ी उत्पादन क्षमता, मजबूत हुई आजीविका

भेंड्री शिविर में मिला आधुनिक उपकरण का लाभ

गरियाबंद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष की सेवा पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी के अनुरूप फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम भेंड्री के नारद चक्रधारी को छत्तीसगढ़ माटी कला बोर्ड के माध्यम से इलेक्ट्रिक चाक प्रदान किया गया। चक्रधारी लंबे समय से पारंपरिक माटी कला व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। वे घड़ा, मटका, सुराही, दीया, मिट्टी के खिलौने, कलश, गमला सहित विभिन्न घरेलू उपयोग के मिट्टी के बर्तन बनाते हैं। पहले वे हाथ से संचालित पारंपरिक चाक का उपयोग करते थे, जिससे अधिक समय और श्रम लगता था तथा उत्पादन क्षमता भी सीमित रहती थी। इलेक्ट्रिक चाक मिलने के बाद उनके काम में तेजी आई है। पहले वे प्रतिमाह लगभग 10 से 12 हजार रुपये मूल्य के मिट्टी के उत्पाद तैयार कर पाते थे, वहीं अब लगभग 20 हजार रुपये तक के उत्पाद तैयार करने में सक्षम हैं। दीपावली सहित अन्य त्यौहारों के दौरान मांग बढ़ने पर उनकी मासिक आय 22 से 25 हजार रुपये तक पहुंच जाती है।

इलेक्ट्रिक चाक से समय की बचत और शारीरिक श्रम में कमी के साथ उनका व्यवसाय अधिक व्यवस्थित एवं लाभकारी हुआ है। नारद चक्रधारी ने शासन की इस पहल के लिए प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आधुनिक उपकरण मिलने से पारंपरिक कारीगरों को अपने हुनर को आगे बढ़ाने और आजीविका को मजबूत करने का अवसर मिला है। नारद चक्रधारी की यह कहानी बताती है कि सेवा और सुशासन का लाभ जब जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचता है, तो वह उसके जीवन और आजीविका में ठोस बदलाव लाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक सेवा काल के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान इसी सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए लोगों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी क्षमता को नई दिशा देने का संकल्प है।

सेवा संकल्प अभियान से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता किसान, पीएम सूर्य घर योजना से बना ऊर्जा उत्पादक

गरियाबंद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष की सेवा पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से सेवा, सुशासन और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना भी आम नागरिकों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर दे रही है। इसी का उदाहरण जिले के फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम पंचायत रोहिणा निवासी किसान मि राम साहू हैं। उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कराया है। संयंत्र लगने के बाद उनका मासिक बिजली बिल, जो पहले लगभग 2 हजार रुपये आता था, अब पूरी तरह शून्य हो गया है। साहू ने बताया कि सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए उन्हें केन्द्र सरकार से 78 हजार रुपये तथा राज्य सरकार से 30 हजार रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई। शेष राशि के लिए उन्होंने 6 प्रतिशत ब्याज दर पर 10 वर्ष के लिए ऋण लिया, जिसकी मासिक किस्त लगभग 800 रुपये है। अब उनके घर की बिजली की जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरी हो रही हैं तथा अतिरिक्त बिजली विद्युत ग्रिड में भेजी जा रही है। इससे उन्हें भविष्य में अतिरिक्त आय का अवसर भी मिलेगा।

जन्मदिन पर बच्चों के साथ खुशियां बांटी, प्रोफेसर-तहसीलदार दंपती ने कराया न्योता भोज..

सारंगढ़-बिलाईगढ़। शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला गाड़ापारा सरिया में एक जन्मदिन का आयोजन बच्चों के लिए खास बन गया। शशिधर पंडा कॉलेज की सहायक प्राध्यापक हर्षा साहू ने अपने जन्मदिन के अवसर पर तहसीलदार कोमल प्रसाद साहू के साथ मिलकर स्कूल के विद्यार्थियों के लिए न्योता भोज का आयोजन किया। दोनों ने हर्षा साहू का जन्मदिन बच्चों के साथ खुशियां बांटकर मनाया। न्योता भोज में स्कूल के सभी 70 विद्यार्थियों के लिए स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई। बच्चों को पूरी-सब्जी और मिठाई खिलाई गई। इसके साथ ही उन्हें चॉकलेट, कॉपी, पेन और रूमाल भी दिए गए। अचानक मिले इस प्यार और उपहार से बच्चों के चेहरे पर खुशी साफ नजर आई और पूरे स्कूल में उत्साह का माहौल रहा।

बच्चों के साथ मनाया खास दिन

हर्षा साहू और कोमल प्रसाद साहू ने बच्चों के साथ समय बिताया और उनके साथ अपनी खुशियां साझा कीं। उनका कहना था कि जन्मदिन जैसे खास अवसर को बच्चों के बीच मनाने से खुशी और भी बढ़ जाती है। बच्चों के साथ भोजन करना और उन्हें छोटी-छोटी जरूरत की चीजें देना उनके लिए यादगार अनुभव रहा। विद्यालय परिवार ने इस पहल के लिए हर्षा साहू और कोमल प्रसाद साहू के प्रति आभार जताया। स्कूल परिवार ने कहा कि इस तरह के आयोजन केवल बच्चों को खुशी देने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनमें अपनापन, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी पैदा करते हैं। ऐसे प्रयास समाज में सेवा और संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हैं।

सरगुजा संभाग में RGPRS की बैठक, संगठन विस्तार और 'काम मांगो अभियान' को लेकर बनी रणनीति

सरगुजा संभाग। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के मनेन्द्रगढ़, कोरिया, सूरजपुर और सरगुजा जिलों की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने तथा पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। बैठक में आगामी एक माह के भीतर सभी जिलों में जिला कार्यकारिणी के गठन, 'काम मांगो अभियान' और 'सर्वोदय संकल्प शिविर' के आयोजन को लेकर रणनीति तैयार की गई। इसके साथ ही पंचायत स्तर पर जनभागीदारी बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को संगठन के माध्यम से प्रभावी ढंग से उठाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। संभाग के सभी जिलों में संगठनात्मक गतिविधियों और बैठकों के आयोजन में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सरगुजा संभाग प्रभारी संगीता रजवाड़े का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। वहीं, राष्ट्रीय सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी अमित गुप्ता तथा राष्ट्रीय संयोजक एवं सहप्रभारी छत्तीसगढ़ सीमा बागरी की भी संगठनात्मक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका रही। बैठक में आगामी दिनों में संगठन विस्तार को गति देने के साथ 'काम मांगो अभियान' और 'सर्वोदय संकल्प शिविर' को व्यापक स्तर पर संचालित करने तथा पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने पर जोर दिया गया।

गांव-गांव पहुंचेगा सेवा और सुशासन का संदेश, जनभागीदारी से गति पकड़ेगा अभियान

योजनाओं और विकास की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर, सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की प्रभारी मंत्री ने की समीक्षा

सूरजपुर। सेवा, सुशासन और जनभागीदारी को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रस्तावित सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री तथा सूरजपुर जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने की। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैंकरा सहित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने अभियान की तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सेवा संकल्प अभियान को केवल सरकारी आयोजन तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसमें व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अभियान का संदेश जिले के प्रत्येक गांव, पंचायत और नागरिक तक पहुंचना चाहिए। शासन की योजनाओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की सेवा के अवसर पर आयोजित होने वाले इस अभियान के माध्यम से विकास और जनकल्याण की दिशा में हुए बदलावों को आम लोगों तक पहुंचाना महत्वपूर्ण है। जनता को यह बताया जाए कि पूर्व की परिस्थितियों की तुलना में वर्तमान में विकास के साथ किस तरह बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं और विकास कार्यों का वास्तविक लाभ जब अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा, तभी सेवा संकल्प अभियान की सार्थकता साबित होगी।बैठक में पंचायत स्तर तक शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी पहुंचाने के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों में रचनात्मक और प्रभावी कार्यक्रम आयोजित करने पर भी जोर दिया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान, स्वास्थ्य परीक्षण, सेवा सेतु अभियान और 'सरकार आपके द्वार' जैसे जनहितकारी कार्यक्रमों को अभियान से जोड़कर प्राथमिकता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए गए। प्रभारी मंत्री ने '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत', 'सेवा ज्योति यात्रा' और 'सेवा मेरा योगदान' सहित विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अभियान के कार्यक्रम भव्य, गरिमामय और जनभागीदारीपूर्ण होने चाहिए, ताकि सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण का संदेश समाज के व्यापक वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंच सके।उन्होंने अधिकारियों और पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ पूरी सक्रियता एवं जिम्मेदारी से कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। जिले में सेवा संकल्प अभियान को प्रभावी और सफल बनाने के लिए सभी विभाग अपनी भूमिका का गंभीरता से निर्वहन करें। बैठक में कलेक्टर रेना जमील ने सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की क्रमवार जानकारी दी।

आरक्षण के सवाल पर सतनामी समाज लामबंद, 16 को सारंगढ़ में प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम कलेक्टर को सौंपेंगे ज्ञापन

सहायक ग्रेड-03 के 100 और पटवारी के 200 पदों की भर्ती में आरक्षण नियमों की कथित अनदेखी का आरोप

सारंगढ़। राजस्व विभाग की भर्ती में आरक्षण नियमों के कथित उल्लंघन को लेकर प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज ने 16 सितंबर को सारंगढ़ में प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। समाज का आरोप है कि सहायक ग्रेड-03 के 100 और पटवारी के 200 पदों की भर्ती में अनुसूचित जाति वर्ग के हितों की अनदेखी की गई है। इसी मुद्दे को लेकर समाज शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपेगा।समाज के पदाधिकारियों के अनुसार, 16 सितंबर, बुधवार को दोपहर 2 बजे पुष्पवाटिका, सारंगढ़ में समाजजन एकत्र होंगे। यहां से कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करने तथा अनुसूचित जाति वर्ग के अधिकारों की रक्षा की मांग रखी जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसपी से मुलाकात

प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा एवं आवश्यक कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया। समाज की ओर से स्पष्ट किया गया कि आंदोलन शांतिपूर्ण एवं अनुशासित तरीके से किया जाएगा। आंदोलन की अगुवाई समाज के जिला अध्यक्ष गिरधर निराला के साथ उपाध्यक्ष शिवचरण रात्रे, प्रवक्ता गुरूबिहारी राय और मीडिया प्रभारी सुखराम निराला सहित अन्य सामाजिक पदाधिकारी करेंगे।

थाना प्रभारी की बड़ी कार्रवाई, 2 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार, 1.20 लाख का माल जब्त

थाना के सामने वाहन चेकिंग के दौरान मिली सफलता, मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर पकड़ा आरोपी

भटगांव। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना भटगांव पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। थाना प्रभारी शिवकुमार धारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 2.055 किलोग्राम गांजा, जिसकी कीमत 1 लाख रुपये है, और तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की गई है। यह कार्रवाई थाना भटगांव के सामने मेन रोड पर वाहन चेकिंग के दौरान की गई। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशे का कारोबार करने वालों में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना भटगांव पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों, अवैध शराब और संदिग्ध वाहनों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना भटगांव पुलिस टीम द्वारा मेन रोड, थाना के सामने मोटर वाहन चेकिंग की जा रही थी। जहां पुलिस टीम आने-जाने वाले सभी दोपहिया और चारपहिया वाहनों की सघन तलाशी ले रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से एक महत्वपूर्ण सूचना प्राप्त हुई। वहीं मुखबिर ने बताया कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से भारी मात्रा में मादक पदार्थ गांजा लेकर कसडोल की तरफसे भटगांव की ओर आ रहा है और वह किसी को सप्लाई करने वाला है। जिसकी सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी शिवकुमार धारी ने तत्काल टीम को अलर्ट किया और भटगांव-कसडोल मुख्य मार्ग पर घेराबंदी करने के निर्देश दिए। पुलिस टीम ने थाने के सामने ही बैरिकेडिंग मजबूत कर दी और आने वाली हर मोटरसाइकिल पर नजर रखने लगी। और कुछ ही देर बाद एक संदिग्ध मोटरसाइकिल तेज रफ्तार से आती दिखाई दी, जिसे पुलिस टीम ने हाथ देकर रोकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर चालक घबरा गया और भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन मुस्तैदी से तैनात जवानों ने उसे घेरकर पकड़ लिया।

गरियाबंद में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल होंगे विशिष्ट अतिथि

17 सितंबर को 'सेवा संकल्प अभियान' के शुभारंभ अवसर पर जिले में होगा विशेष आयोजन

गरियाबंद । राज्य शासन द्वारा 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत 17 सितम्बर को प्रदेश के विभिन्न जिलों में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राज्य शासन द्वारा जारी निर्देश के अनुसार 17 सितम्बर को आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में गरियाबंद जिले में आयोजित कार्यक्रम में रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत जिले में जनभागीदारी और जनसेवा से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के दौरान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के साथ ही विभिन्न जागरूकता एवं सेवा गतिविधियां संचालित की जाएंगी। जिले में अभियान के अंतर्गत 'आशीर्वाद का दीया', '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत', 'नमो सेवा गाथा', 'आंगन का उत्सव', 'कहानी बदलाव की3' सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। साथ ही विकासखंड स्तर पर शिविर एवं जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रम भी होंगे।

सर्वांगीण विकास को समर्पित हुआ दिन, प्राचार्य रेखा देवांगन सहित शिक्षकों ने बढ़ाया बच्चों का हौसला

हाई स्कूल सलिहाघाट में बौद्धिक प्रतिभा का संगम : वंदे मातरम से प्रश्न मंच तक, विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर का जलवा

भटगांव । शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संस्कार, संस्कृति और बौद्धिक चेतना का संगम है। इसी उद्देश्य को चरितार्थ करते हुए शासकीय हाई स्कूल सलिहाघाट में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं बौद्धिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए एक भव्य बौद्धिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जहां विद्यालय परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभक्ति से ओत-प्रोत वन्दे मातरम् गायन, सरस्वती वंदना, गुरु वंदना, दीप वंदना एवं प्रश्न मंच (क्विज) जैसी विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। पूरे दिन चले इस आयोजन में कक्षा 6वीं से लेकर 10वीं तक के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विद्यालय का प्रांगण वैदिक मंत्रों, देशभक्ति गीतों और ज्ञान की गूंज से गुंजायमान हो उठा।

वन्दे मातरम् गायन से हुई कार्यक्रम की शुरुआत डेविड वैष्णव ने जीता दिल-कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् से हुई। वन्दे मातरम् गायन प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी मधुर आवाज में देशभक्ति का ऐसा समां

बांधा कि उपस्थित सभी शिक्षक और छात्र भावविभोर हो उठे। इस प्रतियोगिता में निर्णायकों के लिए विजेता चुनना बेहद कठिन हो गया था। जहां इस कड़े मुकाबले के बाद अंततः प्रथम स्थान डेविड वैष्णव कक्षा 6वीं ने अपनी बुलंद और सुरीली आवाज से सबका दिल जीत लिया। छोटी उम्र में बड़े आत्मविश्वास के साथ उन्होंने वन्दे मातरम् का गायन किया। द्वितीय स्थान मे मानवी पटेल कक्षा 8वीं ने प्राप्त किया। तृतीय स्थान संध्या पटेल कक्षा 10वीं ने प्राप्त किया। वहीं भारतीय संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। इसी भाव को सम्मान देते हुए गुरु वंदना प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने गुरु की महिमा का बखान करते हुए मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। और इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रिया पटेल कक्षा 6वीं? ने प्राप्त किया। रिया ने गुरु वंदना में इतनी भावुक प्रस्तुति दी कि शिक्षकों की आंखें नम हो गईं। द्वितीय स्थान मे आरुषी कक्षा 9वीं ने प्राप्त किया। तृतीय स्थान भूमिका पटेल कक्षा 8वीं) ने प्राप्त किया।

दीप वंदना - अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाली प्रस्तुति-वहीं दीप वंदना प्रतियोगिता में बच्चों ने दीप प्रज्वलन के महत्व और ज्ञान के प्रकाश को अपने गीतों के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस वर्ग में गरिमा पटेल कक्षा 9वीं, रिया पटेल कक्षा 6वीं एवं आरुषि कक्षा 9वीं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। निर्णायक मंडल ने तीनों की संयुक्त प्रस्तुति को विशेष रूप से सराहा। वहीं कार्यक्रम के अगले चरण में सरस्वती वंदना प्रतियोगिता आयोजित हुई। विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी मां सरस्वती की आराधना में बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। और इस प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा जहां प्रथम स्थान अदिति पटेल कक्षा 8वीं ने अपनी सुरीली आवाज में सरस्वती वंदना गाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान रिया पटेल कक्षा 6वीं रिया पटेल ने इस प्रतियोगिता में भी अपनी प्रतिभा का परचम लहराया और दूसरा स्थान हासिल किया। एक ही दिन में दो प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीतना उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है। तृतीय स्थान गरिमा पटेल कक्षा 9वीं ने प्राप्त किया।

प्रश्न मंच - ज्ञान का महाकुंभ-वही कार्यक्रम का सबसे रोमांचक हिस्सा था प्रश्न मंच प्रतियोगिता यानी क्विज कॉम्पिटिशन। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों के सामान्य ज्ञान, तर्कशक्ति और त्वरित बुद्धिमत्ता को परखना था। इसमें इतिहास, भूगोल, विज्ञान, करंट अफेयर्स और छत्तीसगढ़ की संस्कृति से जुड़े प्रश्न पूछे गए। बच्चों ने बड़ी ही चतुराई और आत्मविश्वास के साथ हर सवाल का जवाब दिया। इस बौद्धिक मुकाबले में प्रथम स्थान सुमन पटेल कक्षा 6वीं ने प्राप्त किया। कक्षा 6वीं की छात्रा होते हुए सीनियर बच्चों को पछाड़कर प्रथम आना उसकी असाधारण बौद्धिक क्षमता को दर्शाता है। द्वितीय स्थान हंशिका वैष्णव ने प्राप्त किया।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व सीएम के ओएसडी रहे चेतन बोरघरिया गिरफ्तार, खाते में 66.64 लाख नकद जमा का खुलासा

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) परीक्षा घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यालय में ओएसडी रहे चेतन बोरघरिया को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया है। जांच में परीक्षा में चयन और प्रश्नपत्र के नाम पर 3 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध वसूली किए जाने की बात सामने आई है। ईडी की वित्तीय जांच में चेतन बोरघरिया के बैंक खाते में 170 अलग-अलग लेनदेन के जरिए 66.64 लाख रुपये नकद जमा होने का खुलासा हुआ है। जांच एजेंसी को आशंका है कि तत्कालीन ओएसडी के नाम और पद का इस्तेमाल कर अवैध वसूली के नेटवर्क को संचालित किया गया। जांच के अनुसार, परीक्षा से पहले कुछ अभ्यर्थियों को रायपुर के सिद्धि विनायक मैरिज पैलेस में एकत्र किया गया था, जहां उन्हें कथित तौर पर लीक प्रश्नपत्र उपलब्ध कराया गया। इसके बाद मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए अभ्यर्थियों को बारनवापारा अभयारण्य के एक रिसॉर्ट में ठहराया गया, जहां लीक पेपर के आधार पर तैयारी कराए जाने की बात सामने आई है। ईडी ने 1 सितंबर को चेतन बोरघरिया के ठिकानों पर छापेमारी कर मोबाइल फोन और डिजिटल उपकरण जब्त किए थे। फोरेंसिक जांच में चेतन और उत्कर्ष चंद्राकर के बीच पैसों के लेनदेन और रकम वापस मांगने से संबंधित बातचीत मिलने की जानकारी सामने आई है।

18.33 किलो गांजा के साथ ओडिशा के दो अंतरराज्यीय आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ रायपुर कमिश्नरेट पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और थाना टिकरापारा पुलिस की संयुक्त टीम ने लालपुर ओवरब्रिज के पास कार्रवाई करते हुए ओडिशा के दो अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 18.330 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी कीमत करीब 9 लाख 16 हजार 500 रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 13 सितंबर को एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को सूचना मिली थी कि टिकरापारा थाना क्षेत्र के लालपुर ओवरब्रिज के पास दो व्यक्ति गांजा लेकर बिक्री के लिए घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और टिकरापारा पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्धों की घेराबंदी की। पुलिस ने मौके से दो संदिग्धों को पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम मंगल हरिजन (19) और भीमराज तांडी (23), दोनों निवासी ग्राम सालेकेला, थाना बुढ़ेन, जिला नवापारा, ओडिशा बताया। तलाशी के दौरान दोनों के बैग से 18.330 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजे के साथ दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

भाजपा नेता गौरीशंकर श्रीवास का कांग्रेस पर बड़ा हमला, राहुल गांधी से मांगा जवाब

रायपुर। भाजपा एकात्म परिसर में भाजपा नेता गौरीशंकर श्रीवास ने कांग्रेस पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए राहुल गांधी से जवाब मांगने की बात कही। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पूरे देश में घूमकर मोहब्बत की दुकान की बात करते हैं, लेकिन कांग्रेस के नेता विदेशों में जाकर सोने की खदान खोल रहे हैं। श्रीवास ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत से जुड़े कथित मामले का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि उनके ओएसडी के यहां छापे के बाद फर्जी हलफ्नामा शीट और भर्ती प्रक्रिया में बड़े घोटाले के आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि इससे उत्तराखंड के छात्रों के हितों के साथ खिलवाड़ हुआ है और पदों की बोली लगाए जाने के आरोपों की जांच होनी चाहिए। भाजपा नेता ने जांच एजेंसियों से हरीश रावत की गिरफ्तारी की मांग भी की। वहीं, श्रीवास ने कर्नाटक के पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली को लेकर भी आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि मंत्री से जुड़ी कंपनी की अफ्रीका के कांगो में सोने की खदान से जुड़ी कंपनी में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है और ईडीकी कार्रवाई में उनके रिश्तेदारों के नाम सामने आए हैं। श्रीवास ने इन मामलों को कांग्रेस में कथित भ्रष्टाचार से जोड़ते हुए राहुल गांधी से जवाब देने की मांग की।

अवैध शराब परिवहन करने वाला आदतन आरोपी गिरफ्तार किए

रायपुर। गणेश चतुर्थी को ध्यान में रखते हुए जिले में अवैध शराब, गांजा बिक्री एवं परिवहन के साथ-साथ असामाजिक तत्वों, गुंडा-बदमाशों और सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफचलाए जा रहे अभियान के तहत चिखली पुलिस चौकी को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अवैध रूप से शराब का परिवहन करने के आरोप में 60 वर्षीय महेश सिन्हा को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 7.200 बल्क लीटर अंग्रेजी व्हीस्की शराब, जिसकी कीमत करीब 4,800 रुपये, तथा शराब परिवहन में प्रयुक्त मैस्ट्रो स्कूटी क्रमांक ष्टत 04 चश्च 4475, जिसकी कीमत करीब 15,000 रुपये, बरामद की गई है। जब्त सामग्री की कुल कीमत 19,800 रुपये बताई गई है।

23 सितम्बर तक रामलीला मैदान में देश-प्रदेश के कलाकार देंगे प्रस्तुतियां

महाराजा की विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचा रहा चक्रधर समारोह

- महाराजा चक्रधर सिंह ने कला को राज-सिंहासन से ऊपर रखा, रायगढ़ घराने को दिलाई विश्व पहचान

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने संगीत, नृत्य और कला की समृद्ध परंपरा से जुड़ी रायगढ़ की धरती पर 41वें अंतर्राष्ट्रीय चक्रधर समारोह का सोमवार को महाराजा चक्रधर की तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत भव्य शुभारंभ किया। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने समारोह का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल कला प्रस्तुतियों का मंच नहीं, बल्कि महाराजा चक्रधर सिंह की कला-साधना और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। 14 से 23 सितम्बर तक रामलीला मैदान में आयोजित समारोह में देश-प्रदेश के ख्यातिप्राप्त कलाकारों के साथ स्थानीय प्रतिभाएं भी गायन, वादन, नृत्य और लोककला की प्रस्तुतियां देंगी। शुभारंभ अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका ने समारोह में प्रस्तुति देने वाले कलाकारों का सम्मान किया। पद्मश्री डॉ. उषा बारले, पद्मश्री श्री अनुज शर्मा सहित अन्य कलाकारों और कला गुरु स्वर्गीय वेदमणि सिंह ठाकुर के शिष्यों ने प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने समारोह की सांस्कृतिक गरिमा को और ऊंचाई प्रदान की। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि चक्रधर समारोह महाराजा चक्रधर सिंह की कला साधना और उनकी दूरदृष्टि को स्मरण करने का अवसर है। रायगढ़ भारतीय शास्त्रीय कलाओं की महत्वपूर्ण धरोहर भूमि है और रायगढ़ घराने के कथक ने देश ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। महाराजा चक्रधर सिंह ने राजसिंहासन से अधिक महत्व कला को दिया। उन्होंने कलाकारों को संरक्षण दिया और संगीत, नृत्य एवं साहित्य को आमजन के जीवन से जोड़ने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि महाराजा चक्रधर सिंह की कृतियां 'नर्तन सर्वस्व', 'तालतोय निधि' और 'राग रत्न मंजूषा' आज भी कला और साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण धरोहर हैं। उन्होंने अपनी साधना से यह सिद्ध किया कि कला किसी एक स्थान या केंद्र की मोहताज नहीं होती। जहां निरंतर साधना होती है, वही स्थान कला का तीर्थ बन जाता है। रायगढ़ की पहचान आज संगीत, घुंघरुओं की झंकार, तबले की थाप और नृत्य की भाव-भंगिमाओं से जुड़ी है। राज्यपाल ने कहा कि चक्रधर समारोह अब केवल एक शासकीय या संस्थागत आयोजन नहीं रहा, बल्कि यह रायगढ़ की सांस्कृतिक धड़कन बन चुका है। देश के प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिलना इस समारोह की विशेषता है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी में अपनी जड़ों के प्रति जुड़ाव पैदा करते हैं। युवाओं को परंपरा के साथ नवाचार को जोड़ते हुए कला को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पंथी, राउत नाचा, भरथरी, सुआ, करमा सहित आदिवासी नृत्य और लोकगीत हमारी सांस्कृतिक विविधता की पहचान हैं। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है और चक्रधर समारोह इसी सांस्कृतिक एकता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है। राज्यपाल ने कहा कि विकास के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखना भी जरूरी है। रायगढ़ औद्योगिक विकास के साथ-साथ अपनी कला और संस्कृति के लिए भी जाना जाता है। पिछले वर्ष समारोह ने अपने 40 वर्ष पूरे किए और अब 41वां समारोह नई ऊर्जा और नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। ऐसे आयोजन सांस्कृतिक पुनर्जागरण का माध्यम बनते हैं और कला को समाज से जोड़ने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि कला और संस्कृति केवल हमारी पहचान नहीं, बल्कि पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी गति देने का माध्यम हैं। आज के डिजिटल युग में भी नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहना चाहिए।

मिट्टी की कमजोर दीवारों से 'सपनों के आशियाने' तक कुसुम का प्रेरक सफर

- तब छतों से टपकती थी चिंता, अब पंख फैला रहे हैं सपने-कुसुम बाई को मिला नया जीवन

रायपुर/ संवाददाता

कच्ची दीवारें, बारिश में टपकती छत और हर मौसम में ढहने का डर—ग्राम पंचायत जी जामगांव,जनपद पंचायत कुरुद की श्रीमती कुसुम बाई के परिवार के लिए यह सिर्फ एक दैनिक चुनौती नहीं, बल्कि सालों की मजबूरी थी। मजदूरी से होने वाली सीमित आय में भोजन, बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य की ज़रूरतें ही बमुश्किल पूरी हो पाती थीं। ऐसे में एक पक्का मकान बनाना केवल एक दूर का सपना बना हुआ था। वर्ष 2025-26 में पात्रता के आधार पर कुसुम बाई का चयन 'प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)' के तहत हुआ। जनपद पंचायत द्वारा आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में उन्हें निर्माण प्रक्रिया, सहायता राशि और गुणवत्ता मानकों का स्पष्ट मार्गदर्शन मिला। इसके बाद उनके सपनों का घर ईंट और सीमेंट की मजबूत दीवारों के रूप में साकार होने लगा। आज कुसुम बाई अपने परिवार के साथ एक सुरक्षित और मजबूत पक्के घर में रह रही हैं। अब न तो बारिश में सामान भीगने का खौफ है और न ही सीलन भरी दीवारों की चिंता। यह घर उनके लिए केवल चार दीवारें नहीं, बल्कि परिवार के आत्मसम्मान, सुरक्षा और बच्चों के बेहतर भविष्य की मजबूत नींव है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जीवन में आए इस अभूतपूर्व बदलाव से अभिभूत कुसुम बाई ने 17 सितंबर को आ रहे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस पर उन्हें बधाई संदेश भेजा। उन्होंने प्रधानमंत्री जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने हम जैसे गरीब परिवारों को पक्का घर देकर हमारे सपने को पूरा किया है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे इसी तरह देश और गरीबों की सेवा करते रहें।

हौसलों के आगे दिव्यांगता हुई बौनी, समूह बनाकर शुरू किया दोना-पत्तल का कारोबार

रायपुर। कहते हैं कि सपनों की उड़ान शरीर की सीमाओं से नहीं, बल्कि हौसले से तय होती है। इस कहावत को साकार करते हुए सिहावा क्षेत्र के दिव्यांगजनों ने आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरणादायक पहल की है। पांच दिव्यांगजनों ने मिलकर उम्मीद दिव्यांग सेवा संस्थान का गठन किया और दोना-पत्तल निर्माण का व्यवसाय शुरू कर स्वरोजगार की राह चुनी है। संस्थान के सदस्यों ने शासन की ओर से दिए जाने वाले दोना-पत्तल निर्माण प्रशिक्षण का लाभ लिया। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने स्वयं मशीन खरीदकर व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। समूह के सदस्य ओमप्रकाश मंडावी, रीना नेताम, कुशरी यादव, पार्वती नेताम एवं सुखमोती नेताम ने मिलकर दोना-पत्तल निर्माण मशीन खरीदी और उत्पादन का काम शुरू किया।

जनभागीदारी से सफल होगा सेवा संकल्प अभियान

हर गांव और हर नागरिक तक पहुंचे सेवा और सुशासन का संदेश-बघेल

- अभियान से जुड़ेगा हर वर्ग, योजनाओं की मिलेगी जानकारी
- सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों के संबंध में बैठक संपन्न

रायपुर/ संवाददाता

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री सूरजपुर जिले के प्रभारी। मंत्री श्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में सेवा संकल्प अभियान के सफल संचालन को लेकर संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी, वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामसेवक पैंकरा सहित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री श्री बघेल ने अभियान की तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनभागीदारी के साथ सेवा संकल्प अभियान को जिले के प्रत्येक गांव, पंचायत , हर नागरिक तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की सेवा के अवसर पर आयोजित होने वाले इस अभियान को व्यापक स्वरूप देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को इससे जोड़ना है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत कहानी बदलाव की को जन-जन तक पहुंचाएं। लोगों को बताएं कि पहले परिस्थितियां कैसी थीं और आज विकास एवं जनकल्याण की दिशा में क्या बदलाव आया है।

नगरी वनांचल क्षेत्र में बारिश होते ही जन जीवन अस्तव्यस्त हुआ....

- मनोज साक्षी अध्यक्ष जिला आदिवासी कांग्रेस ने पुल पुलिया और मूलभूत सुविधाओं की माँग की

रायपुर। संवाददाता

सिहावा क्षेत्र की अधिकतर आबादी वनांचल क्षेत्र मे बसा हुआ है। और इन वनांचल क्षेत्र में आज विकास नही होने से यहां बसे ग्रामीणों को बारिश किसी आफ्त से कम नही रहती। यहां बसे छात्र छात्राओ से लेकर आम ग्रामीण पुल पुलिया के अभाव में अपनी जान जोखिम में डालकर सफर करते हैं । जहां हमेशा खतरा बना रहता है, चाहे स्वास्थ्य हो या शिक्षा या फिर जीविकोपार्जन का जरिया बगैर नदी नाले पार किये बगैर इनकी कोई भी कार्य नही होता। ठीक ऐसा ही अभी बारिश में ग्राम पंचायत लटियारा में एक मामला आया जहां नदी में बाढ़ के चलते ग्रामीण बिमार व्यक्ती को घाट में बिठा कर नदी पार कराये तब कही जा कर इलाज हुआ। ठीक ऐसा ही टाईगर रिजर्व के क्षेत्र में बसे ग्रामीणों की स्थिति दयनीय है। यह क्षेत्र आजादी के बाद से विकास के लिये झटपटा रहा है। इस वनांचल क्षेत्र मे न ही स्वास्थ्य सुविधा है न शिक्षा न बिजली नदी नाले में पुल रपटा नही सडक दलदल से भरा हुआ। जहां ग्रामीण हमेशा अपने क्षेत्र में विकास की मांग करते आ रहे हैं । कभी शांति पूर्ण तरीके से शासन प्रशासन को समस्याओं से अवगत कराते तो कभी उग्र आदोलन धरना-प्रदर्शन कर आ रहे हैं। मगर इनकी मांग आज तक जस की तस है। कारण यह कि बारिश लगते ही इन वनांचल क्षेत्र वासियो की जीवन कठिनाईयों व तकलीफें से गुजरती है जहां बारिश के दिनो में नदी में ग्रामीण मोटी रकम खर्च कर अपनी जान जोखिम में डालकर अपना बाईक पार कराते है। बता दें कि इस नदी मे पुल नही होने के चलते ग्रामीणो को बारिश में नदी नाले उफन पर होने से ये गरियाबंद जिला होकर महज 30 किलो मीटर की दूरी को, 80 किलो मीटर सफर तय कर ब्लाक मुख्यालय पहुचते हैं। मनोज साक्षी अध्यक्ष, ज़िला आदिवासी कांग्रेस ने प्रशासन से माँग की है कि पुल पुलिया रपटा और मूलभूत सुविधा तत्काल उपलब्ध कराई जाए उन्होंने आगे कहा कि वनांचल क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है।

स्व-सहायता समूह से मिली ताकत, स्वरोजगार से तेजप्रभा सिंह की हर माह 10 हजार रुपये की आमदनी

रायपुर। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में स्व-सहायता समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल ग्राम पंचायत रामगढ़ की हरियाली महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य तेजप्रभा सिंह हैं। मेहनत, आत्मविश्वास और समूह से मिले आर्थिक सहयोग के सहारे उन्होंने छोटे स्तर से अपना व्यवसाय शुरू किया और आज प्रतिमाह लगभग 10 हजार रुपये की आय अर्जित कर परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में योगदान दे रही हैं। तेजप्रभा सिंह हरियाली महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ीं तो उन्हें बचत और सामूहिक प्रयास के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का अवसर मिला। समूह से प्राप्त सीआईएफराशि 60,000 रुपये ने उनके लिए स्वरोजगार की राह आसान की। इसके साथ ही उन्होंने 3,00,000 रुपये का बैंक ऋण प्राप्त किया। उपलब्ध आर्थिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए तेजप्रभा ने अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। तेजप्रभा सिंह ने अपने व्यवसाय में 50,000 रुपये की स्वयं की पूंजी लगाई।

सड़क किनारे पसरे पर अचानक पहुंचे मुख्यमंत्री मीरा के पसरे से खरीदा आशीर्वाद का दीया...

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर के तेलीबांधा मरीन ड्राइव में सड़क किनारे पसरा लगाकर मिट्टी के दीये बेच रही मीरा के लिए आज का दिन अचानक बेहद खास बन गया। रोज की तरह वह अपने छोटे से पसरे पर दीये सजाकर ग्राहकों की प्रतीक्षा कर रही थी। इसी बीच मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का काफिला अचानक उसके पसरे के पास जाकर रुक गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मीरा के पसरे पर रखे मिट्टी के दीयों को देखा और 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के लिए वहीं से एक दीया खरीदा। मुख्यमंत्री ने महिला को एक हजार रुपए प्रदान किए। मुख्यमंत्री का यह सहज भाव स्थानीय स्तर पर छोटे व्यवसाय के माध्यम से आजीविका अर्जित करने वाली मीरा के श्रम, स्वाभिमान और स्वावलंबन के सम्मान का सुंदर संदेश भी दे गया। मुख्यमंत्री का सड़क किनारे लगे छोटे से पसरे पर अचानक पहुंचना आसपास मौजूद लोगों के लिए भी सुखद आश्चर्य का अवसर बन गया। बिना किसी औपचारिकता के मुख्यमंत्री ने मीरा से उसके कामकाज और परिवार का हालचाल पूछा। बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने मीरा से पूछा कि उसे केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। मुख्यमंत्री के सवाल पर मीरा ने बताया कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत उसका बैंक खाता खुल चुका है। उसने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना के अंतर्गत उसे हर महीने एक हजार रुपए की राशि प्राप्त हो रही है। महिला के मुंह से योजनाओं का लाभ मिलने की बात सुनकर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं तभी सार्थक होती हैं, जब उनका लाभ जरूरतमंद व्यक्ति तक सीधे पहुंचे, उसे संबल दे और उसके जीवन को बेहतर बनाने में सहायक बने। शासन की प्राथमिकता यही है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पूरी सहजता और पारदर्शिता के साथ पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री जनधन योजना ने गरीब, वंचित और जरूरतमंद परिवारों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़कर आर्थिक समावेशन का मजबूत आधार तैयार किया है। बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ने के कारण आज विभिन्न योजनाओं की राशि सीधे हितग्राहियों के खातों तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की माताओं-बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। यह राशि उनके छोटे-बड़े दैनिक खर्चों में सहयोग देने के साथ उनमें आर्थिक आत्मविश्वास भी बढ़ा रही है।

17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

जनभागीदारी और जनसेवा को दिया जाएगा व्यापक स्वरूप-उपमुख्यमंत्री अरूण साव....

- उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों की समीक्षा की

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज प्रदेश के सभी नगर निगमों के महापौरों, आयुक्तों, नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के अध्यक्षों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की बैठक लेकर सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित वर्चुअल बैठक में अभियान के दौरान संचालित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों, विभागीय समन्वय, जनभागीदारी और प्रचार-प्रसार को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आगामी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक देशव्यापी सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा और सूडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुमीत अग्रवाल अहमदाबाद से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक में जुड़े। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने समीक्षा बैठक में सभी नगरीय निकायों को 'सेवा संकल्प अभियान' को जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने जनसेवा के प्रति आभार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने और विकसित भारत-2047 के संकल्प को जन-जन से जोड़ने के लिए अभियान की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने को कहा। उन्होंने अभियान में समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश के विकास और जनकल्याण के लिए विगत 25 वर्षों से अनवरत कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में भारत की वैश्विक भूमिका मजबूत हुई है। श्री साव ने कहा कि आज चीन भी भारत के साथ काम करना चाहता है और रूस के साथ भारत की मित्रता और मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि देश की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है।

संपादकीय

बुजुर्गों की उपेक्षा- क्या भारतीय समाज से खत्म हो रही है सामाजिक संवेदना?

पारिवारिक उपेक्षा और वृद्धाश्रमों की बदहाली बुजुर्गों के प्रति गिरती सामाजिक संवेदना दर्शाती है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से वृद्धाश्रमों की रिपोर्ट मांगकर वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण पर जोर दिया है। किसी भी समाज और देश में अगर बुजुर्गों का जीवन मुश्किलों तथा चुनौतियों से दो-चार हो, तो यह न केवल वहां के कल्याण कार्यक्रमों में उनके हित से जुड़े प्रावधानों की विफलता है, बल्कि एक तरह से सामाजिक संवेदनाओं पर भी सवाल है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि परिवार से उपेक्षित बुजुर्ग जब किसी वृद्धाश्रम में पहुंचा दिए जाते हैं, तो वहां भी उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आमतौर पर वृद्धाश्रमों में भी उनकी देखभाल को लेकर जैसी उपेक्षा या उदासीनता बरती जाती है, वह बुजुर्गों के प्रति समूचे समाज के रवैये में गिरावट का उदाहरण है। शायद यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देश के सभी राज्यों को यह निर्देश दिया है कि वे वृद्धाश्रमों की स्थापना और वरिष्ठ नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की स्थिति के बारे में ताजा रिपोर्ट दाखिल करें। शीर्ष अदालत दरअसल करीब दस साल पहले दायर उस जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें बुजुर्गों के कल्याण और संरक्षण के उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने का अनुरोध किया गया है। कहने को भारतीय समाज में बुजुर्गों को बेहद सम्मानजनक स्थान प्राप्त है। ज्यादातर परिवारों में कमोबेश उनका इतना खयाल जरूर रखा जाता है, ताकि वे अपना जीवन संतोषजनक तरीके से गुजार सकें। हालांकि ऐसे लोग भी हैं, जो घर के वृद्धों की खुशी और सेहत के लिए हर संभव कोशिश करते हैं। कई बुजुर्ग अगर लंबी उम्र तक जी पाते हैं या अपना आखिरी दौर खुशी और संतोष के साथ बिता पाते हैं, तो उसमें उनका खयाल रखने वाली संतानों की बड़ी भूमिका होती है। मगर इसके बरक्स ऐसे लोग भी होते हैं, जो माता-पिता या घर के किसी भी बुजुर्ग को बोझ मानने लगते हैं। कई दंपति सिर्फ इसलिए माता-पिता से अलग रहने लगते हैं, ताकि उनकी सुविधाजनक जिंदगी में कोई दखल न हो। ऐसे लोग भूल जाते हैं कि अपनी संतान को जन्म देने से लेकर उन्हें पाल-पोस कर बड़ा करने और अपने बूते खड़ा होने लायक बनाने के लिए माता-पिता ने अपने सारे सुख की अनदेखी करके अपना पूरा जीवन झोंक दिया होता है। इसके बावजूद ऐसी नौबत क्यों आती है कि एक सुरक्षित स्थिति में जाते ही कुछ लोग माता-पिता को अपने हाल पर अकेले रहने के लिए छोड़ देते हैं। यहां तक कि किसी बीमारी से उपजी पीड़ा और बच्चों के प्रति उनकी संवेदनात्मक भूख का भी खयाल रखना जरूरी नहीं समझते। कई परिवार घर में बुजुर्गों की देखभाल नहीं करने या उपेक्षा करने से आगे जाकर उन्हें किसी ऐसे वृद्धाश्रम में पहुंचा देते हैं, जहां वे अपने जीवन का बचा हुआ वक्त किसी तरह काटते हैं। इस संदर्भ में उन कानूनी तकाजों का भी खयाल रखना जरूरी नहीं समझा जाता, जिनमें माता-पिता या बुजुर्गों की देखभाल को लेकर संतानों की कुछ जिम्मेदारियां तय की गई है।

ब्रिक्स की खास उपलब्धियां - ब्रिक्स ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इसका सफ़र आसान नहीं था। कई चुनौतियों के बावजूद यह अपने अनेक लक्ष्यों को हासिल कर सका। कुछ मुख्य उपलब्धियां हैं: स्ट्रेटेजिक विस्तार- ब्रिक्स ने सफलतापूर्वक अपनी पहुंच बढ़ाई है। 2026 तक, इस ब्लॉक में ऑफिशियली 11 सदस्य देश शामिल हैं: ओरिजिनल पांच (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) प्लस मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब (हालांकि सऊदी अरब अपने फॉर्मल स्टेटस को लेकर कुछ डिप्लोमैटिक अस्पष्टता बनाए हुए है)। पार्टनर देशों का संस्थागतकरण- मुख्य फैसले लेने की क्षमता को कम किए बिना अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए, ब्रिक्स ने एक फॉर्मल 'पार्टनर देश' कैटेगरी शुरू की। 2025 में, दस देश—बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज़्बेकिस्तान और वियतनाम—ऑफिशियल पार्टनर के तौर पर शामिल हुए, जिससे एंगेजमेंट के लिए एक फ्लेक्सिबल फ्रेमवर्क बना।

ब्रिक्स 2026- भारत की कूटनीतिक क्षमताओं को चुनौती देता

(प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी.के. पांडेय)

ब्रिक्स ग्लोबल साउथ के हितों को बताने और एक ज्यादा संतुलित बहुध्रुवीय विश्व बनाने के लिए एक बुनियादी प्लेटफ़ॉर्म बन गया है। 2025 तक, ब्रिक्स के सदस्य देश दुनिया की लगभग 48 प्रतिशत आबादी और परचेसिंग पावर पैरिटी (पी पी पी) के आधार पर ग्लोबल जीडीपी का 39 प्रतिशत हिस्सा थे।

2026 में ग्लोबल जियो पॉलिटिक्स के मौजूदा माहौल के आधार पर, ब्रिक्स एक इकोनॉमिक इन्वेस्टमेंट के शॉर्ट फॉर्म से बढ़कर एक बड़ी इंस्टीट्यूशनल ताकत बन गया है जो उभरते हुए मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर को आकार दे रहा है। इसके महत्व, उपलब्धियों, चुनौतियों और ब्रिक्स विरोधी बातों को सुलझाने के प्रयासों को समझना आवश्यक है।

मल्टीपोलर दुनिया में ब्रिक्स का महत्व - ब्रिक्स ग्लोबल साउथ के हितों को बताने और एक ज्यादा संतुलित बहुध्रुवीय विश्व बनाने के लिए एक बुनियादी प्लेटफ़ॉर्म बन गया है। 2025 तक, ब्रिक्स के सदस्य देश दुनिया की लगभग 48 प्रतिशत आबादी और परचेसिंग पावर पैरिटी (पी पी पी) के आधार पर ग्लोबल जीडीपी का 39 प्रतिशत हिस्सा थे। भारत की 2026 ब्रिक्स प्रेसीडेंसी के तहत, इस की गाइडिंग थीम बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन और सस्टेनेबिलिटी है। कमज़ोर ग्लोबल गवर्नेंस, प्रोटेक्शनिस्ट पॉलिसी और बढ़ती जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता के दौर में, ब्रिक्स साउथ-साउथ सहयोग के लिए एक सही विकल्प देता है जो पारंपरिक दबदबे और हुक्म से रहित है। यह उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को अपनी पार्टनरशिप में विविधता लाने और ग्लोबल गवर्नेंस में अपनी आवाज़ बुलंद करने की इजाज़त देता है, बिना कोल्ड वॉर-स्टाइल के बाइनरी अलाइनमेंट में मजबूर हुए।

ब्रिक्स की खास उपलब्धियां - ब्रिक्स ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इसका सफ़र आसान नहीं था। कई चुनौतियों के बावजूद यह अपने अनेक लक्ष्यों को हासिल कर सका। कुछ मुख्य उपलब्धियां हैं- स्ट्रेटेजिक विस्तार- ब्रिक्स ने सफलतापूर्वक अपनी पहुंच बढ़ाई है। 2026 तक, इस ब्लॉक में ऑफिशियली 11 सदस्य देश शामिल हैं- ओरिजिनल पांच (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) प्लस मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब (हालांकि सऊदी अरब अपने फॉर्मल स्टेटस को लेकर कुछ डिप्लोमैटिक अस्पष्टता बनाए हुए है)। पार्टनर देशों का संस्थागतकरण- मुख्य फैसले लेने की क्षमता को कम किए बिना अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए, ब्रिक्स ने एक फॉर्मल 'पार्टनर देश' कैटेगरी शुरू की। 2025 में, दस देश– बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज़्बेकिस्तान और वियतनाम–ऑफिशियल पार्टनर के तौर पर शामिल हुए, जिससे एंगेजमेंट के लिए एक फ्लेक्सिबल फ्रेमवर्क बना। न्यू डेवलपमेंट बैंक (एन डी बी) की उपलब्धियाँ- एन डी बी ने हाल ही में अपनी 10वीं वर्षगाँठ मनाई, जिसमें क्लीन एनर्जी, ट्रांसपोर्ट और सस्टेनेबल डेवलपमेंट में 120 से ज़्यादा बड़े प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस किया गया। इसने ग्लोबल साउथ को पार्टनरशिप, सॉवरेनिटी और शेयर्ड प्रायोरिटीज़ पर बना एक मल्टीलेटरल डेवलपमेंट बैंक सफलतापूर्वक दिया है, न कि वेस्टर्न-लेड फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स से जुड़ी कंडीशनैलिटीज़ पर। इंट्रा-ब्रिक्स ट्रेड ग्रोथ- मेंबर्स के बीच दो दशकों के ट्रेड एक्सपेंशन ने डेवलप हो रहे इकोनॉमिक संबंधों को सामने लाया है, जिससे साउथ-साउथ ट्रेड के नए, रेसिलिएंट पैटर्न बने हैं जो बाहरी झटकों से कम वल्नरेबल हैं। कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने 5 सितंबर, 2026 को कहा कि इंट्रा-ब्रिक्स मर्चेंडाइज़ ट्रेड अब कई गुना बढ़ गया है, जो मेंबर देशों के बीच गहरे ट्रेड इंटीग्रेशन और मज़बूत इकोनॉमिक कोऑपरेशन के लिए बहुत ज़्यादा अनटैप्ड पोटेंशियल को हाईलाइट करता है। 2003 में 84 बिलियन से 2024 में 1.17 ट्रिलियन तक इंट्रा-ब्रिक्स मर्चेंडाइज़ ट्रेड 13 गुना बढ़ गया, जो 13.3 परसेंट की सालाना एवरेज रेट से बढ़ रहा है, जो इसी समय के दौरान 5.7 परसेंट की ग्लोबल ट्रेड ग्रोथ से काफी ज़्यादा है।

भविष्य की चुनौतियाँ - भारत के लिए अलग-अलग चुनौतियों के बीच ब्रिक्स को आगे ले जाना आसान नहीं होगा। उनमें से कुछ ये हैं-

ब्रिक्स कनेक्ट्स को लागू करना- भारत की 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता की पहल ब्रिक्स कनेक्ट्स का उद्देश्य सदस्य देशों के नागरिकों को लाभ पहुँचाने को प्राथमिकता देना है। इसके मुख्य फ़ोकस एरिया में डिजिटल पेमेंट और फ़ाइनेंशियल इनक्लूज़न (वित्तीय समावेश) को बढ़ाना, एजुकेशनल डिग्री को आपसी मान्यता देना, सस्ता इंटरनेट और इंसानों पर केंद्रित ए आई, एक नया ब्रिक्स स्टार्टअप नॉलेज हब, और बेहतर ट्रेड कॉरिडोर शामिल हैं, जिनसे लॉजिस्टिक्स की लागत कम हो सकती है और सामान सस्ता हो सकता है।

अंदरूनी सोच में विभिन्नता- यह ग्रुप एक जैसा ग्रुप नहीं है, जिससे आम सहमति बनाना मुश्किल हो जाता है। इसमें बहुत अलग-अलग जियोपॉलिटिकल सोच वाले देश हैं, जिनमें वे देश शामिल हैं जो पश्चिम का सक्रिय रूप से सामना कर रहे हैं (जैसे, रूस, ईरान) से लेकर वे देश भी शामिल हैं जो पश्चिमी देशों (जैसे, भारत, ब्राज़ील) के साथ मज़बूत स्ट्रेटेजिक और इकोनॉमिक संबंध बनाए हुए हैं।

इंस्टीट्यूशनल एकता बनाम विस्तार- ब्रिक्स के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि वह खुद को ज़्यादा बढ़ाए बिना अपनी बढ़ती जियोपॉलिटिकल अहमियत को ठोस इंस्टीट्यूशनल असर में बदले। तेज़ी से विस्तार से इस ग्रुप के बेकाबू होने और निर्णायक रूप से काम करने की इसकी क्षमता कम होने का खतरा है।

अलग-अलग इकोनॉमिक प्राथमिकताएँ- फाइनेंशियल इंटीग्रेशन पर सदस्यों के अलग-अलग विचार हैं। जहां कुछ लोग वेस्ट से तेज़ी से फाइनेंशियल डीकपलिंग पर ज़ोर देते हैं, वहीं दूसरे प्रैक्टिकल इकोनॉमिक डेवलपमेंट को प्राथमिकता देते हैं और बड़े फाइनेंशियल बदलावों के नतीजों से डरते हैं।

ब्रिक्स विरोधी कोशिशों और बातों पर ध्यान देना

ब्रिक्स उस पश्चिमी नैरेटिव को बेअसर करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है जिसके तहत इसे पश्चिम-विरोधी क्लब या एक विघटनकारी ताकत के तौर पर देखा जाता है। इन कोशिशों से निपटने के लिए यह कई रणनीतियाँ अपनाता है-

नैरेटिव को नए सिरे से पेश करना- 2026 में भारत की अध्यक्षता में नेतृत्व ने टकराव वाली छवि को स्पष्ट रूप से खारिज किया है। आधिकारिक राजनयिक रुख इस बात पर ज़ोर देता है कि ब्रिक्स पश्चिम-विरोधी नहीं है; यह संतुलन का पक्षधर है और ब्रिक्स देशों को प्रतिशत7-विरोधी नहीं बनना चाहिए, और प्रतिशत7 को ब्रिक्स -विरोधी नहीं बनना चाहिए। यह समूह खुद को स्वाभाविक रूप से विरोधी के बजाय गैर-पश्चिमी और सुधारवादी के तौर पर पेश करता है।

डी-डॉलरलाइज़ेशन पर व्यावहारिक और क्रमिक दृष्टिकोण- गंभीर आर्थिक जवाबी कार्रवाई (जैसे टैरिफ की धमकियाँ) से बचने के लिए, ब्रिक्स ने डी-डॉलरलाइज़ेशन से जुड़ी अपनी बयानबाज़ी को नरम किया है। अमेरिकी डॉलर या ब्रिक्स की साझा मुद्रा को अचानक और पूरी तरह से बदलने के बजाय–जिसका भारत जैसे सदस्यों ने स्पष्ट रूप से विरोध किया है–यह समूह व्यावहारिक और क्रमिक बदलाव पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसमें स्थानीय मुद्रा में लेन-देन को बढ़ावा देना, द्विपक्षीय स्वैप समझौते और व्यापार के लिए डिजिटल मुद्रा के ढांचे की संभावनाओं को तलाशना शामिल है। समावेशी बहुपक्षवाद पर ध्यान- ब्रिक्स लगातार व्यापक ह सुधार, बहुपक्षीय व्यापार सुधार और समावेशी वैश्विक शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। मौजूदा संस्थानों को पूरी तरह खत्म करने के बजाय उनमें सुधार की वकालत करके, ब्रिक्स कई उदारवादी देशों का समर्थन हासिल करता है।

स्कूली किताबों के एक सवाल ने खोली लैंगिक समानता और साझा जिम्मेदारियों की नई राह

(वंदना तिवारी)

बच्चों को बचपन से ही लैंगिक संवेदनशीलता और साझा जिम्मेदारियों की सीख देना बेहद जरूरी है। घर-बाहर के कामों में बराबरी और रूढ़ियों को तोड़ना ही एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज का निर्माण करेगा। हमारे समाज में लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि घर का काम मुख्य रूप से महिलाओं की जिम्मेदारी है और बाहर जाकर कमाना पुरुषों का दायित्व। मगर बदलते समय के साथ परिवार की यह तस्वीर तेजी से बदल रही है। जब कक्षा छह के सामाजिक विज्ञान के एक पाठ में बच्चों से पूछा गया कि 'क्या पिता खाना बना सकते हैं' और 'क्या मां घर के बाहर काम कर सकती हैं', तो चर्चा केवल एक पाठ तक सीमित नहीं रही। बातचीत बच्चों को परिवार, जिम्मेदारी और साझेदारी के नए अर्थ समझाने लगी। दरअसल, बच्चे परिवार और समाज को देखकर ही स्त्री और पुरुष की भूमिकाओं को समझना शुरू करते हैं। अगर वे बचपन से यह देखते और सुनते हैं कि घर का काम केवल महिलाओं की जिम्मेदारी है और बाहर जाकर कमाना केवल पुरुषों का दायित्व है, तो यही धारणाएं उनके भीतर सामान्य और स्वाभाविक मान्यता के रूप में स्थापित हो जाती हैं। बाद में यही धारणाएं लैंगिक असमानता, महिलाओं पर दोहरे बोझ और घर के काम के असमान बंटवारे को बनाए रखती हैं। आज के बदलते परिवेश में जब परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी साझा है, तो घरेलू जिम्मेदारियां भी साझा क्यों नहीं होनी चाहिए? खाना बनाना, बच्चों की देखभाल करना, सफाई करना या परिवार के अन्य सदस्यों की आवश्यकताओं का ध्यान रखना केवल स्त्री का काम नहीं माना जा सकता। पिता खाना बना सकते हैं और मां घर के बाहर काम कर सकती हैं। परिवार की भूमिकाएं स्थिर नहीं होतीं, बल्कि सहयोग, संवेदनशीलता और परिस्थितियों के अनुसार साझा की जा सकती हैं। शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक की जानकारी देने का माध्यम नहीं है। वह बच्चों को समाज में उपस्थित असमानताओं को पहचानने, उन पर प्रश्न करने और अधिक न्यायपूर्ण संबंधों की कल्पना करने का अवसर भी देती है। विद्यालय में बच्चों को लैंगिक संवेदनशीलता के बारे में पढ़ाना इसलिए जरूरी है, ताकि वे समझ सकें कि किसी कार्य को केवल स्त्री या पुरुष से जोड़ना उचित नहीं है। जब बच्चों को यह समझाया जाएगा कि पारिवारिक भूमिकाओं में सहयोग और लचीलापन एक संतुलित और सहयोगी वातावरण का निर्माण करते हैं, तो उनकी धारणा भी अलग जमीन पर विकसित होगी। भूमिका-अभिनय यानी रोल-प्ले सामाजिक विज्ञान के लिए विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध हुआ है, क्योंकि इससे बच्चों में सहानुभूति और समझ का विकास संभव हो पाता है। जब बच्चे विभिन्न पारिवारिक भूमिकाएं निभाते हैं, तो उन्हें विविध दृष्टिकोणों की समझ प्राप्त होती है और वे पारिवारिक अंतःक्रियाओं की जटिलताओं की सराहना करते हैं। यह अनुभवात्मक अधिगम मानव व्यवहार और सामाजिक मानदंडों को समझने के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण साबित होता है, जो सामाजिक विज्ञान शिक्षा के केंद्रीय तत्त्व है। भूमिका-अभिनय के माध्यम से विद्यार्थी न केवल परिवार के भीतर विशिष्ट भूमिकाओं के बारे में सीखते हैं, बल्कि वे अपने निर्धारित परिदृश्यों की चुनौतियों का सामना करते हुए आलोचनात्मक चिंतन और समस्या-समाधान कौशल भी विकसित करते हैं। लैंगिक संवेदनशीलता का पाठ पढ़ाने का अर्थ केवल यह बताना नहीं है कि महिलाएं भी बाहर काम कर सकती हैं। इसका अर्थ यह समझाना भी है कि आर्थिक रूप से योगदान देने वाली महिला से घर की पूरी जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा करना असमानता है। इसी प्रकार पुरुषों को घरेलू काम से दूर रखना भी उन्हें देखभाल, संवेदनशीलता और पारिवारिक साझेदारी के अनुभव से वंचित करता है। साझा जिम्मेदारियां स्त्री और पुरुष दोनों को रूढ़िवादी भूमिकाओं की सीमाओं से बाहर आने का अवसर देती हैं। बच्चों के भीतर नए प्रकार के सामाजिक बदलावों के प्रति लचीलापन विकसित करना और उन्हें बदलते परिवेश से अवगत कराना बेहद जरूरी है। इससे वे केवल अपने परिवार की भूमिकाओं को अलग दृष्टि से नहीं देखते, बल्कि समानता, सहयोग और संवेदनशीलता जैसे मूल्यों को अपने जीवन से जोड़कर समझते हैं। यही समझ आगे चलकर उनके व्यक्तिगत संबंधों, कार्यस्थल और सामाजिक व्यवहार को अधिक न्यायपूर्ण बना सकती है। यह दृष्टिकोण न केवल पारिवारिक भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की गहरी समझ विकसित करता है, बल्कि वास्तविक जीवन के मुद्दों पर गतिशील और रोचक तरीके से आलोचनात्मक चिंतन को भी प्रोत्साहित करता है। इस तरह के सामाजिक प्रशिक्षण पारिवारिक गतिशीलता की जटिलताओं तथा साझा जिम्मेदारियों के महत्त्व को सिखाने में भूमिका-अभिनय की उपयोगिता को उजागर करते हैं, जो एक संतुलित पारिवारिक जीवन के निर्माण में योगदान देती हैं।

अगर शिक्षा बच्चों को रूढ़िवादी लैंगिक भूमिकाओं पर प्रश्न करना नहीं सिखाएगी, तो समाज में वास्तविक बदलाव कठिन होगा। केवल महिलाओं का आर्थिक रूप से सक्रिय होना पर्याप्त नहीं है। परिवार और समाज की सोच तथा जिम्मेदारियों के बंटवारे में भी परिवर्तन आवश्यक है।

मक्का डिफेंस पैक्ट आग नहीं, धुआं निकला, मोदी की डिप्लोमेसी ने बिगाड़ दिया पाक का खेल

यही कारण है कि इस समझौते को एक मजबूत सैन्य गठबंधन की बजाय फिलहाल स्ट्रैटेजिक सिग्नलिंग और डिटरेंस का प्रयोग कहना अधिक उचित होगा। यहां इतिहास भी कई सवाल खड़े करता है। 2015 में हूती हमलों के दौरान पाकिस्तान ने सऊदी अरब की रक्षा के लिए सीधे सैन्य हस्तक्षेप से दूरी बनाई थी। 2019 में अबकैक और खुरैस के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले के समय भी कोई स्वचालित पाकिस्तानी सैन्य प्रतिक्रिया नहीं हुई।

(नीरज कुमार दुबे)

शुरुआत में ऐसा लगा था कि मक्का पैक्ट एक ऐसा भू-राजनीतिक प्रयोग बनकर उभर रहा है, जिसके तार पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और संभवतः बंगाल की खाड़ी तक फैल सकते हैं। समझौते का मूल संदेश यह था कि तीनों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला, तीनों पर हमला माना जाएगा।

तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए मक्का ज्वाइंट डिफेंस एग्रीमेंट की चर्चा पूरी दुनिया में हुई। मक्का पैक्ट पर हस्ताक्षर करने वाले तीनों देशों ने इसको लेकर ऐसी ऐसी बातें कहीं जिससे रक्षा रणनीति के क्षेत्र में इस समझौते की खबर आग की तरह फैल गयी। लेकिन जैसे जैसे समझौते के बिंदु सामने आने लगे वैसे वैसे दुनिया को समझ आ गया कि यहां आग से ज्यादा धुआं है। हम आपको बता दें कि बड़े-बड़े दावों और सामूहिक सुरक्षा के संदेश के बावजूद इस समझौते की सैन्य क्षमता और वास्तविक प्रभाव को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। इसी बीच इस पैक्ट के पैकेट की हवा पूरी तरह निकालने के लिए मोदी सरकार की कूटनीति भी तेज हो गई है। भारत साफ तौर पर यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि पाकिस्तान इस समझौते का इस्तेमाल भारत के खिलाफ कोई रणनीतिक दबाव बनाने के लिए नहीं कर सके।

देखा जाये तो शुरुआत में ऐसा लगा था कि मक्का पैक्ट एक ऐसा भू-राजनीतिक प्रयोग बनकर उभर रहा है, जिसके तार पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और संभवतः बंगाल की खाड़ी तक फैल सकते हैं। समझौते का मूल संदेश यह था कि तीनों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला, तीनों पर हमला माना जाएगा। लेकिन इस घोषणा के पीछे जितनी बड़ी सामरिक महत्वाकांक्षा है, उतनी ही गहरी अस्पष्टता भी है। इसी अस्पष्टता में पाकिस्तान की सबसे बड़ी उम्मीद छिपी है और भारत के लिए सबसे बड़ा रणनीतिक सवाल भी है। सवाल यह है कि क्या यह वास्तव में एक नया इस्लामिक नाटो बनने जा रहा है, या फिर यह राजनीतिक संदेश, सामरिक दबाव और प्रतिरोधक क्षमता का एक बड़ा लेकिन सीमित प्रयोग भर है?

देखा जाये तो मक्का समझौते की सबसे बड़ी कमजोरी इसकी भौगोलिक और सामरिक असंगति है। पाकिस्तान न तो पश्चिम एशिया का हिस्सा है और न ही खाड़ी क्षेत्र का। तुर्किये की सुरक्षा चिंताएं सीरिया, इराक, कुर्द उग्रवाद, शरणार्थियों और अपनी दक्षिणी सीमाओं से जुड़ी हैं। सऊदी अरब के सामने ईरान, यमन के हूती और क्षेत्रीय अस्थिरता की चुनौतियां हैं। पाकिस्तान की प्राथमिक चुनौती बिल्कुल अलग है। ऐसे में सवाल उठता है कि तीनों देशों की साझा दुश्मन की परिभाषा आखिर क्या है?

यही कारण है कि इस समझौते को एक मजबूत सैन्य गठबंधन की बजाय फिलहाल स्ट्रैटेजिक सिग्नलिंग और डिटरेंस का प्रयोग कहना अधिक उचित होगा। यहां इतिहास भी कई सवाल खड़े करता है। 2015 में हूती हमलों के दौरान पाकिस्तान ने सऊदी अरब की रक्षा के लिए सीधे सैन्य हस्तक्षेप से दूरी बनाई थी। 2019 में अबकैक और खुरैस के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले के समय भी कोई स्वचालित पाकिस्तानी सैन्य प्रतिक्रिया नहीं हुई। दूसरी तरफ, जब पाकिस्तान और तालिबान के बीच सीमा तनाव हुआ, तब सऊदी अरब ने पाकिस्तान को सैन्य सहायता नहीं दी। ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि जब पुराने द्विपक्षीय समझौते संकट के समय सीधे सैन्य कार्रवाई में नहीं बदले, तो नया त्रिपक्षीय समझौता वास्तव में कितना असरदार साबित होगा?

लेकिन भारत के लिए खतरे का आकलन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि तुर्किये या सऊदी अरब वास्तव में पाकिस्तान के लिए युद्ध लड़ेंगे या नहीं? सामरिक गारंटी युद्ध शुरू होने से पहले ही राजनीतिक व्यवहार बदल देती है। पाकिस्तान को यह संदेश मिल सकता है कि उसके पीछे अब एक व्यापक सुरक्षा ढांचा खड़ा है। खासकर तब, जब तुर्किये लगातार पाकिस्तान का राजनीतिक और सैन्य समर्थन करता रहा है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी उसका रुख भारत के खिलाफ स्पष्ट था।

यही नहीं, 31 अगस्त को इस्तांबुल में हुई बैठक में इस समझौते को और मजबूत बनाने पर भी चर्चा हुई। इसमें एक स्थायी सचिवालय बनाने, सैन्य सहयोग बढ़ाने, रक्षा उद्योग में साझेदारी करने और मिलकर रक्षा उपकरण तैयार करने की बात हुई। रियाद में सचिवालय बनाने और शुरुआती वर्षों में पाकिस्तानी महासचिव नियुक्त करने की योजना से साफ है कि इस समझौते को एक स्थायी और संगठित ढांचा देने की कोशिश की जा रही है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार की सऊदी अरब, तुर्किये और मिस्र के विदेश मंत्रियों से हालिया बातचीत भी बताती है कि इस दिशा में कूटनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

अब सबसे संवेदनशील मोर्चा है बांग्लादेश। यदि ढाका इस समझौते में शामिल होता है, तो मामला भारत के लिए पश्चिमी सीमा तक सीमित नहीं रहेगा। पाकिस्तान से जुड़ा एक सामूहिक रक्षा ढांचा भारत की पूर्वी सीमा और बंगाल की खाड़ी तक पहुंच सकता है। भारत की 4096 किलोमीटर लंबी पूर्वी सीमा के संदर्भ में यह रणनीतिक समीकरण बदल सकता है। यही कारण है कि नई दिल्ली कथित रूप से बैकचैनल कूटनीति के जरिए ढाका की वास्तविक मंशा टटोल रही है कि क्या बांग्लादेश वास्तव में सैन्य प्रतिबद्धता चाहता है या इस मंच का उपयोग केवल कूटनीतिक और आर्थिक लाभ के लिए कर रहा है?

यहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति और भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की असली ताकत सामने आती है। भारत किसी एक खेमे में बंद देश नहीं है। वह एससीओ में चीन और पाकिस्तान के साथ बैठता है, अमेरिका, फ्रांस और इजरायल के साथ गहरे सुरक्षा संबंध रखता है और अमेरिका, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वॉड का सदस्य है। भारत की नीति साफ है। हर मंच पर मौजूद रहो, लेकिन किसी की रणनीतिक कैद में मत जाओ।

इसके अलावा, तुर्किये के एससीओ में पूर्ण सदस्य बनने की महत्वाकांक्षा के बीच भारत के पास 'सहमति' नामक एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक हथियार है। दरअसल, एससीओ में किसी नए देश को सदस्य बनाने के लिए मौजूदा सदस्य देशों की सहमति जरूरी होती है। ऐसे में भारत का रुख साफ है। अगर तुर्किये नाटो, मक्का समझौते और एससीओ, तीनों का हिस्सा बनना चाहता है, तो उसे यह भरोसा देना होगा कि पाकिस्तान के साथ उसका रक्षा समझौता एससीओ के भीतर भारत के खिलाफ किसी दबाव या रणनीतिक फायदा उठाने का माध्यम नहीं बनेगा। माना जा रहा है कि भारत को तुर्किये से तीन स्पष्ट आश्वासन चाहिए। एक तो पाकिस्तान को तुर्किये के जरिए एससीओ में अप्रत्यक्ष प्रभाव नहीं मिलेगा। साथ ही एससीओ की सदस्यता किसी बाहरी रक्षा प्रतिबद्धता का विस्तार नहीं बनेगी और भारत-पाकिस्तान संकट में तुर्किये की संस्थागत स्थिति मक्का समझौते का हथियार नहीं बनेगी।

संक्षिप्त समाचार

मटिया में बारिश के सीजन में भी पेय जल संकट

बलौदा बाजार। भाटापारा जनपद अंतर्गत ग्राम मटिया में बारिश के मौसम में भी पेयजल की समस्या बनी हुई है। वार्ड क्रमांक 2, 3, 6 और 7 के लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। कुछ जगह नलों में पानी बहुत कम आ रहा है। कई घरों तक पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही। रोजमर्रा की जरूरत के लिए लोगों को पानी जुटाने इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक नल-जल योजना के तहत बनी पानी टंकी में पर्याप्त पानी भरा रहता है। टंकी से अंतिम छोर के घरों तक नियमित आपूर्ति नहीं हो पा रही। ग्रामीणों ने कहा कि बरसात में यह हाल है। गर्मी में समस्या और गंभीर होगी। तीजा पर्व के चलते इन दिनों गांव के कई घरों में बेटियां आई हैं। पानी की जरूरत बढ़ गई है। मटिया निवासी सीता साहू ने कहा कि तीजा में बेटियां घर आई हैं। पर्याप्त पानी नहीं मिलने से घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहा है। पानी के लिए जगह-जगह भटकना पड़ रहा है। डिगेश्वर साहू ने कहा कि सुबह का काफी समय पानी की व्यवस्था में निकल जाता है। ग्रामीणों ने कहा कि पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए रोज जद्दोजहद करनी पड़ रही है। ग्रामीण नरेश साहू ने बताया कि वार्डों के लोग पेयजल समस्या लेकर सरपंच के पास पहुंचे थे। समस्या बताई थी। अब तक स्थायी समाधान नहीं हुआ।

चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के सदस्यों ने सब्जी विक्रेताओं को चिल्लर वितरण किया

बलौदाबाजार। बाजार में चिल्लर की समस्या को देखते हुए छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा व्यापारियों एवं सब्जी विक्रेताओं को राहत पहुंचाने की पहल की गई। चेंबर के पदाधिकारियों ने बाजार क्षेत्र में दुकानों पर जाकर व्यापारियों और सब्जी विक्रेताओं को आवश्यकतानुसार चिल्लर उपलब्ध कराया। चिल्लर की व्यवस्था के लिए भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से 1, 2, 10 और 20 मूल्यवर्ग के सिक्कों की व्यवस्था की गई। चेंबर पदाधिकारियों ने इन सिक्कों को व्यापारियों तक पहुंचाकर वितरित किया, ताकि रोजमर्रा के लेन-देन में ग्राहकों और दुकानदारों को परेशानी न हो। चेंबर के इस प्रयास से छोटे दुकानदारों, सब्जी विक्रेताओं सहित बाजार में खरीदारी करने वाले ग्राहकों को भी सुविधा मिलने की उम्मीद है। व्यापारियों ने बताया कि छोटे मूल्य के नोट और सिक्कों की कमी के कारण अक्सर खुले पैसे को लेकर परेशानी होती थी। ऐसे में बाजार में सीधे पहुंचकर चिल्लर उपलब्ध कराने की पहल उपयोगी साबित होगी। चिल्लर वितरण होने से व्यापारी एवं छोटे व्यापारी में हर्ष का माहौल - कपड़ा व्यापारी मेडिकल व्यापारी सर्राफा व्यापारी एवं सब्जी व्यापारियों ने चिल्लर वितरण होने से प्रशंसा व्यक्त की समय-समय पर इस प्रकार चिल्लर मिलने से बाजार में आए दिन होने वाली परेशानी दूर होगी सब्जी विक्रेता हीरामणि ने बताया एक बहुत अच्छी पहल है हम चेंबर का आभार व्यक्त करते हैं जिन्हें छोटे व्यापारियों के लिए चिल्लर की व्यवस्था की हम धन्यवाद देते हैं। सब्जी व्यापारी जयसवाल ने बताया चिल्लर की कमी के कारण व्यापार बहुत प्रभावित हो रहा था चेंबर ऑफकॉमर्स के सदस्यों का का आभार व्यक्त करते हैं समय-समय पर ऐसी व्यवस्था होने से हम छोटे व्यापारियों को व्यापार करने में असुविधा नहीं होगी। चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष लक्ष्मी साहू ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करना चेंबर की प्राथमिकता है। बाजार में चिल्लर की उपलब्धता बनाए रखने के लिए स्टेट बैंक के सहयोग से यह पहल की गई है। इससे व्यापारिक लेन-देन सुचारु होगा और ग्राहकों को भी खुले पैसे के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। चिल्लर वितरण में चैंबर ऑफकॉमर्स का अध्यक्ष लक्ष्मी साहू, शिव प्रसाद तिवारी, कालू धीवर, दिलीप माहेश्वरी, संजय नारायण केसरवानी एवं अन्य सदस्य मौजूद थे।

साप्ताहिक जनदर्शन में आये 30 आवेदन पत्रों की हुई सुनवाई

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में डिप्टी कलेक्टर देवेन्द्र कुमार चौधरी द्वारा साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों से संबंधित प्राप्त आवेदनों पर सुनवाई की गई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों पर समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 30 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें तहसील चांपा के ग्राम लछनपुर निवासी श्रीमती ईतवारा बाई ने विधवा पेंशन के संबंध में, तहसील जांजगीर के ग्राम मुनुंद निवासी गिरधारी कश्यप ने रिकॉर्ड दुरुस्ती कराने, रामरतन कश्यप ने राशन कार्ड के संबंध में ,तहसील सारागांव के ग्राम बघौदा निवासी सनत कुमार सूर्यवंशी ने भूमि का बंटवारा कराने तथा तहसील अकलतरा के ग्राम बनाहिल निवासी श्रीमती ललिता बाई ने राशन कार्ड के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया।

कलेक्टर दर पर कर्मचारियों को नियमित वेतनमान देने की मांग लघु वेतन कर्मचारी संघ ने आईटीआई चौक में दिया धरना

कोरबा। छत्तीसगढ़ शासकीय लघु वेतन कर्मचारी संघ ने विभागीय आश्रम एवं छात्रावासों में कार्यरत कलेक्टर दर (आदेशित) चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को रिक्त पदों पर युक्तियुक्तकरण (समायोजन) कर नियमित वेतनमान दिए जाने की मांग को लेकर आईटीआई चौक पर एक दिवसीय सांकेतिक धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद संघ के प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपकर मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। संघ ने ज्ञापन में कहा है कि विभाग के आश्रम और छात्रावासों में रसोईया, जलवाहक और चौकीदार के रूप में कलेक्टर दर पर कर्मचारी लंबे समय से सेवाएं दे रहे हैं। इन कर्मचारियों को रिक्त पदों पर युक्तियुक्तकरण करते हुए नियमित वेतनमान का लाभ दिए जाने की मांग लगातार की जा रही है। इस संबंध में कलेक्टर (आदिवासी विकास) कार्यालय द्वारा 27 जून 2025 और 3 अगस्त 2026 को आदेश जारी किए जा चुके हैं। संघ के अनुसार, विभाग द्वारा इस मामले में आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, नवा रायपुर से मार्गदर्शन मांगा गया है, लेकिन अब तक मार्गदर्शन प्राप्त नहीं हुआ है। संघ ने आरोप लगाया कि केवल पत्राचार कर विभाग अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास कर रहा है। चेतावनी दी गई थी कि 11 सितंबर तक नियमित वेतनमान का लाभ नहीं दिए जाने पर आश्रमों में कार्यरत रसोईया, जलवाहक और चौकीदारों के साथ विभागीय कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय सांकेतिक ध्यानाकर्षण आंदोलन किया जाएगा। जिसके तहत मंगलवार को प्रदर्शन किया गया।

अवैध शराब के खिलाफचलेगा सघन अभियान, कलेक्टर ने दिए कड़ी कार्रवाई के निर्देश

कलेक्टर महोबे ने ली साप्ताहिक समय-सीमा बैठक

- पीएम आवास के हितग्राहियों को प्रतीक्षा सूची और आगामी सर्वे की दें पूरी जानकारी
- सड़क मरम्मत में विलंब न करने, स्वीकृत व प्रगतिरत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

कलेक्टर ने सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा कर, अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने कहा

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर जिले में संचालित शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, लंबित प्रकरणों, विकास कार्यों एवं विभिन्न विभागों की गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर महोबे ने 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों एवं क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अभियान के तहत प्रस्तावित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के संबंध अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ सौंपे गए दायित्वो का निष्ठापर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने तथा अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आबकारी विभाग सहित संबंधित विभागों को सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध शराब के मामलों में कड़ी कार्रवाई करने तथा लगातार निगरानी एवं जांच अभियान चलाने कहा। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से हितग्राहियों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने पात्र हितग्राहियों को प्रतीक्षा सूची में उनकी स्थिति, आवास सर्वे के संबंध में भी लोगों को जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि पात्र परिवार योजना से जुड़ी आवश्यक जानकारी से अवगत हो सकें। कलेक्टर महोबे ने जिले में सड़क मरम्मत एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए टेंडर की स्थिति, स्वीकृत कार्यों एवं प्रारंभ किए गए कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने स्वीकृत कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने तथा प्रगतिरत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूरा कराने कहा। कलेक्टर ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत इस सप्ताह एवं अब तक हुए सोलर इंस्टॉलेशन की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजना से जोड़कर लाभान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त लंबित आवेदनों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों, समस्याओं का समय पर निराकरण करना सुनिश्चित करें। साथ ही स्वच्छता, सेवा सेतु पोर्टल, जल जीवन मिशन सहित अन्य विभागीय कार्यों की भी समीक्षा की। इसी प्रकार कलेक्टर द्वारा पंचायत, लोक निर्माण, शिक्षा, विद्युत, खाद्य, सहकारिता, नगरीय प्रशासन एवं विकास, मत्स्य पालन, महिला एवं बाल विकास तथा पशु चिकित्सा विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश दिय। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार पोयाम, अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर आर के तम्बोली, अपर कलेक्टर मती स्निग्धा तिवारी, संयुक्त कलेक्टर संदीप ठाकुर सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

नगर भटगांव में हरतालिका व्रत कथा को लेकर महिलाओं में दिखा उत्साह

शिव-पार्वती की पूजा कर सुहाग और सुखी दांपत्य जीवन की कामना

भटगांव। नगर भटगांव के ब्राम्हण पारा, देवांगन भवन, गोपाल देव जी मंदिर, दुर्गा मंदिर, राजा पारा, कुआ चौक, रहस चौक एवं विभिन्न स्थानों में हरतालिका व्रत पूजा कथा का आयोजन हर्षोउल्लास के साथ किया गया। हरतालिका तीज के अवसर पर सोमवार को महिलाओं ने श्रद्धा और आस्था के साथ भगवान शिव एवं माता पार्वती की पूजा-अर्चना की। सुबह से ही मंदिरों और घरों में पूजा की तैयारियां शुरू हो गई थीं। महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर भगवान शिव-पार्वती की प्रतिमा स्थापित की और विधि-विधान से पूजन कर हरतालिका व्रत कथा का श्रवण किया। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। पार्वती के पिता उनका विवाह भगवान विष्णु से करना चाहते थे, लेकिन माता पार्वती की इच्छा भगवान शिव को पति रूप में पाने की थी। उनकी सखी उन्हें वन में ले गईं, जहां माता पार्वती ने शिव की आराधना और तपस्या की। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार करने का वरदान दिया। इसी प्रसंग की स्मृति में हरतालिका तीज व्रत किए जाने की मान्यता है।पूजा के दौरान महिलाओं ने शिव-पार्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर फल, फूल, बेलपत्र, धतूरा तथा अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। इसके बाद सामूहिक रूप से हरतालिका व्रत कथा सुनी और भगवान शिव एवं माता पार्वती से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। हरतालिका तीज को विशेष रूप से सुहाग, दांपत्य सुख और पारिवारिक मंगल से जोड़कर देखा जाता है। कई स्थानों पर महिलाओं ने भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

अस्पताल से लापता नवप्रसूता फंदे पर लटकी मिली आत्महत्या या अनहोनी

कोरबा। जिले के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराई गई नव विवाहित युवती बच्चे को जन्म देने के करीब 6 दिन बाद एकाएक लापता हो गई। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे कि वह अस्पताल से करीब 100 मीटर की दूरी पर फंदे से लटकी मिली। जानकारी के मुताबिक कटघोरा थाना क्षेत्र की एक नव विवाहित युवती को प्रसव के लिए कटघोरा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा है कि उसने करीब 6 दिन पूर्व एक शिशु को जन्म दिया। 14 सितम्बर की शाम एकाएक युवती अस्पताल से लापता हो गई। परिजन और अस्पताल का स्टाफ उसकी तलाश में इधर-उधर भटक रहे थे कि इस बीच आज दोपहर जानकारी मिली कि अस्पताल के पिछले हिस्से से करीब 100 - 150 मीटर की दूरी पर स्थित एक व्यक्ति की निजी बाड़ी में झाड़ियों के झुरमुट में एक लड़की लटकी मिली है।

त्योहारों में सुरक्षा और शांति व्यवस्था को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीजे के तेज आवाज पर होगी कार्रवाई

अंबिकापुर। गणेश चतुर्थी, दशहरा, दीपावली और छठ पूजा सहित आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर अजीत वसंत ने की, जबकि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल सहित प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी तथा शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।बैठक में कानून-व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को त्योहारों के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहार सामाजिक एकता और भाईचारे को मजबूत करने का अवसर हैं। सभी आयोजन समितियां प्रशासन द्वारा निर्धारित सुरक्षा एवं व्यवस्था संबंधी मानकों का पालन करें। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने डीजे और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का संचालन निर्धारित मानकों के अनुरूप करने की बात कही। तेज आवाज में डीजे बजाने या नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी। रिहायशी क्षेत्रों में ध्वनि नियंत्रण पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।गणेश एवं दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थलों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, आवश्यकतानुसार क्रेन और एसडीआरएफ टीम की व्यवस्था करने को कहा गया। प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग, पेट्रोलिंग और भीड़ वाले क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई जाएगी। बड़े पंडालों में सीसीटीवी लगाने, भंडारा स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने तथा महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम करने पर भी जोर दिया गया।

दशहरा, दीपावली और छठ पूजा के दौरान भीड़ नियंत्रण, यातायात और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने नागरिकों से नियमों का पालन करते हुए त्योहारों को आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की।

श्रमिक हित में बीएसपी वर्कर्स यूनियन की पहल रंग लाई, दिवंगत ठेका श्रमिक के परिवार को अनुकम्पा नियुक्ति

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के कोको वन विभाग में कार्य के दौरान दुर्घटना में दिवंगत हुए ठेका श्रमिक ललित कुमार साहू के परिवार को राहत दिलाने में बीएसपी वर्कर्स यूनियन की सक्रिय पहल और मध्यस्थता महत्वपूर्ण रही। दुर्घटना के बाद यूनियन ने तत्काल मृतक के परिवार के साथ खड़े होकर उनकी समस्याओं एवं मांगों को प्रबंधन तथा ठेकेदार के समक्ष प्रमुखता से रखा। यूनियन की पहल पर प्रबंधन, ठेकेदार, मृतक के परिजनों, ग्रामवासियों एवं सरपंच के साथ लगातार चर्चा कर परिवार को आर्थिक सहायता, बीमा राशि, शासन द्वारा निर्धारित अन्य सुविधाएं तथा सबसे महत्वपूर्ण मृतक की पत्नी श्रीमती निर्मला साहू को भिलाई इस्पात संयंत्र में अनुकम्पा नियुक्ति दिलाने की दिशा में सकारात्मक समाधान निकाला गया। सेक्टर-9 मर्चुरी के पास हुई वार्ता में सभी पक्षों की सहमति से आवश्यक निर्णय लिए गए और मृतक के परिवार को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया गया। साथ ही बीएसपी वर्कर्स यूनियन की मध्यस्थता में ठेकेदार द्वारा दाह संस्कार के लिए 1.50 लाख की आर्थिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराई गई तथा इंश्योरेंस के तहत 10 लाख और शासन/ नियमानुसार मिलने वाली अन्य सुविधाएं परिवार को दिलाने पर सहमति बनी। यूनियन ने स्पष्ट किया कि श्रमिक की दुर्घटना में मृत्यु केवल एक परिवार की क्षति नहीं, बल्कि पूरे श्रमिक समाज के लिए पीड़ा का विषय है। ऐसे कठिन समय में पीड़ित परिवार को उसके अधिकार दिलाना और उनके भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास करना यूनियन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बीएसपी वर्कर्स यूनियन अध्यक्ष उज्जवल दत्ता के निर्देश पर यूनियन के पदाधिकारियों ने पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ परिवार के पक्ष में खड़े होकर प्रबंधन एवं ठेकेदार के साथ समन्वय स्थापित किया, जिसके परिणामस्वरूप परिवार को अनुकम्पा नियुक्ति सहित महत्वपूर्ण राहत प्राप्त हुई। यूनियन ने कहा कि भविष्य में भी किसी श्रमिक के साथ दुर्घटना अथवा विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर बीएसपी वर्कर्स यूनियन श्रमिक एवं उसके परिवार के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी मजबूती के साथ खड़ी रहेगी।

श्रीमद्भागवत कथा में सती चरित्र त्याग और पतिव्रत धर्म का सर्वोत्तम उदाहरण हैं : गोविन्द बाबा

श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस पर सती चरित्र और बालक ध्रुव चरित्र की कथा का वर्णन!

जांजगीर- नैला। दक्ष प्रजापति की पुत्री सती ने भगवान शिव को पति रूप में वरण किया था। एक बार दक्ष ने विशाल यज्ञ का आयोजन किया, पर जान-बूझकर अपनी पुत्री सती और दामाद शिव को निमंत्रण नही दिया गया। पिता के यज्ञ में बिना बुलाए पहुंची सती को जब वहां अपने पति भगवान शिव का अपमान होते देखा तो वे इसे सहन नहीं कर सकी, यह उद्गार भारत राईस मिल नैला में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन व्यासपीठ पर विराजमान सुप्रसिद्ध कथाकार गोस्वामी गोविन्द बाबा जी ने कहा। कथा से पहले बसईवाल परिवार के द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कथा में यजमान दंपति ने कला वाचक का पुष्पाहार से स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजित भागवत कथा में जांजगीर चांपा विधायक व्यास कश्यप, उद्योगपति लिलाधर सुल्तानिया, नरेंद्र पालीवाल, शिवरीनारायण से निरंजन अग्रवाल, शक्ति से कन्हैया गोयल नरेश गेवाडीन, डॉ.संतोष मोदी, अधीक्षण अभियंता पीएमजीएस वाई रायपुर तिवारी जी एवं शुक्ला मौजूद थे बाबा गोविन्द बाबा ने कहा कि पतिव्रता सती ने उसी यज्ञ कुंड में अपने प्राणों की आहुतियां दे दी। यह कथा हमें सिखाती हैं कि जहां अपने आराध्य का अपमान हो, वहां एक क्षण भी नही रुकना चाहिये। सती का यही त्याग बाद में पार्वती के रूप में पुनर्जन्म लेकर फिर से शिव से मिलन का कारण बना। कुल मिलाकर यह कथा का सार है कि सच्चा प्रेम और सम्मान ही धर्म की नींव हैं।

ध्रुव चरित्र की कथा-मात्र 05 वर्ष के बालक ध्रुव की कथा निश्चय और अटल भक्ति का प्रतीक हैं : गोस्वामी गोविंद बाबा

श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस कथावाचक गोविंद बाबा ने कहा कि राजा उतानपाद के दो रानियां थी। एक सुनीति और दुसरी सुरुचि। सुरुचि के पुत्र उतम को राजा गोद में बैठाते हैं पर सुनीति के पुत्र बालक ध्रुव को गोद से उतार दिया जाता हैं। विमाता सुरुचि कहती हैं कि यदि तुझे राजसिंहासन पर बैठना हैं तो भगवान की तपस्या करना सीख। खचाखच भरे हुए भारत राईस मिल कथा पंडाल में गोस्वामी बाबा जी ने आगे कहा कि माता सुनीति की प्रेरणा से 5 वर्षीय बालक ध्रुव घोर वन में जाकर नारद जी के बताए हुए मंत्र ? नमो भगवते वासुदेवाय नमः का जाप करता हैं। लगातार छह महीने की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान श्री विष्णु स्वयं प्रकट होते हैं और ध्रुव को वरदान देते हैं कि आज से आकाश में सबसे ऊंचा और अटल स्थान ध्रुव तारा तुम्हारा होगा। गोविन्द बाबा जी ने विशाल कथा प्रांगण में मौजूद श्रद्धालु भक्तों को संदेश के रुप में कहा कि उम्र चाहे छोटी हो या बड़ी, यदि निश्चय दृढ़ हो तो भगवान अवश्य मिलेंगे ही।

संक्षिप्त समाचार

रिटायरमेंट से पहले गृह जिले में पोस्टिंग,हाईकोर्ट ने दिया आदेश

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने आबकारी विभाग के एक हेड कांस्टेबल की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें सेवानिवृत्ति से पहले गृह जिले बिलासपुर में पदस्थ करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने संबंधित अधिकारी को आदेश की प्रति प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर आवश्यक पोस्टिंग आदेश जारी करने के निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता वर्तमान में रायगढ़ जिले में पदस्थ हैं और जुलाई 2027 में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उन्होंने आगामी सेवानिवृत्ति और पत्नी की खराब तबीयत का हवाला देते हुए रायगढ़ से बिलासपुर तबादले की मांग की थी। इसके लिए उन्होंने वर्ष 2025 की स्थानांतरण नीति के क्लॉज 3.12 का लाभ दिए जाने का आग्रह किया था। याचिका के अनुसार, याचिकाकर्ता की नियुक्ति 19 अप्रैल 1993 को आबकारी विभाग में सेल्समैन के पद पर हुई थी। बाद में उन्हें नियमित कर आबकारी आरक्षक बनाया गया। वर्ष 2014 में उनका तबादला कोरबा से बिलासपुर हुआ था। इसके बाद 24 जून 2022 को उन्हें बिलासपुर से रायगढ़ भेजा गया। वर्ष 2023 में पदोन्नति के बाद भी वे रायगढ़ में ही पदस्थ हैं ।याचिकाकर्ता ने बताया कि पत्नी का लगातार उपचार चल रहा है और गृह जिले में पदस्थापना के लिए उन्होंने विभाग के समक्ष कई बार अभ्यावेदन भी दिया, लेकिन कोई निर्णय नहीं लिया गया। सरकार की दलील नहीं मानीसुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने तर्क दिया कि 5 जून 2025 की स्थानांतरण नीति आबकारी विभाग पर लागू नहीं होती, क्योंकि नीति में पुलिस, आबकारी, परिवहन, वाणिज्यिक कर और शिक्षा विभाग को बाहर रखा गया है। सरकार ने यह भी कहा कि किसी कर्मचारी को अपनी पसंद के स्थान पर पोस्टिंग पाने का कानूनी अधिकार नहीं है। हाईकोर्ट ने सरकार की इस दलील को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की आगामी सेवानिवृत्ति को ध्यान में रखते हुए उन्हें गृह जिले में पदस्थ करने का निर्देश दिया। अब संबंधित विभाग को आदेश की प्रति प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर पोस्टिंग संबंधी आवश्यक कार्रवाई करनी होगी।

कांस्टेबल भर्ती : 400 से ज्यादा अभ्यर्थियों की ज्वाइनिंग का रास्ता साफ

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ कांस्टेबल भर्ती मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की स्पेशल लीव पिटिशन खारिज कर दी है। इसके साथ ही वेटिंग लिस्ट में शामिल पात्र अभ्यर्थियों की ज्वाइनिंग का रास्ता साफ हो गया है। कोर्ट ने संबंधित अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया तीन महीने के भीतर पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इस फैसले से 400 से अधिक अभ्यर्थियों को राहत मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से नियुक्ति का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों में फैसले के बाद खुशी का माहौल है।

बिलासपुर-मुंगेली में जीएसटी स्टेट टीम की बड़ी कार्रवाई, 6 कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश दी

बिलासपुर। जीएसटी स्टेट टीम ने टैक्स से जुड़ी कथित अनियमितताओं को लेकर बिलासपुर और मुंगेली जिले में बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने दोनों जिलों में छह कारोबारी प्रतिष्ठानों पर दबिश देकर दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच शुरू की है। बिलासपुर के व्यापार विहार स्थित थोक मंडी में गुटखा, ड्रायफ्रूट्स और तेल कारोबार से जुड़े तीन प्रतिष्ठानों को जांच के दायरे में लिया गया है। अधिकारियों की टीम स्टॉक, कंप्यूटर डेटा, खरीद-बिक्री के बिल, इनवॉइस, ई-वे बिल और लेनदेन से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है। कारोबार के वास्तविक आंकड़ों का जीएसटी रिटर्न में दर्ज जानकारी से मिलान किया जा रहा है। इसी तरह मुंगेली जिला मुख्यालय में होटल और रेस्टोरेंट से जुड़े तीन प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई है। विभाग को कुछ प्रतिष्ठानों में कथित तौर पर कच्चे बिल के जरिए टैक्स बचाने की शिकायतें मिली थीं। इसी आधार पर संबंधित कारोबार और टैक्स रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार, मुंगेली के बावा होटल पर करीब 60 लाख रुपये का जुर्माना लगाए जाने की बात सामने आई है। हालांकि विभागीय दस्तावेज सामने आने के बाद टैक्स और जुर्माने की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

115 से ज्यादा संदिग्ध फर्मों पर नजर

जीएसटी विभाग की जांच का दायरा हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनियों और उनसे जुड़ी संदिग्ध कारोबारी गतिविधियों तक भी पहुंचा है। बिना वैध ई-वे बिल और कथित फर्जी इनवॉइस के जरिए माल परिवहन किए जाने के मामलों की भी जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि पिछले तीन वित्तीय वर्षों के रिटर्न की जांच के दौरान विभाग ने 115 से अधिक संदिग्ध बोगस डीलरों और कथित शेल कंपनियों को चिन्हित किया है। इनमें से कुछ फर्मों के जरिए कागजों पर कारोबार दिखाकर फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट ट्रांसफर किए जाने की आशंका है। फिलहाल छह प्रतिष्ठानों पर जांच जारी है। जीएसटी टीम स्टॉक और दस्तावेजों के मिलान के साथ कंप्यूटर व डिजिटल डेटा की भी जांच कर रही है।

सेवानिवृत्त अभियंताओं ने मनाया अभियंता दिवस

अभियंता राष्ट्र निर्माण में निभाते हैं महत्वपूर्ण भूमिका...

बिलासपुर। जल संसाधन परिसर स्थित प्रार्थना भवन में भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के अवसर पर अभियंता दिवस समारोह का आयोजन फोरम ऑफ रिटायर्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स, छत्तीसगढ़, जिला समिति बिलासपुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। छत्तीसगढ़ रत्न से सम्मानित बाल गायक मास्टर तनिष्क वर्मा ने सरस्वती वंदना तथा तेजस्विनी कन्या छात्रावास की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अभियंता, हसदेव कछार, जल संसाधन विभाग बिलासपुर इं. एस.के. पाण्डेय ने की। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने सभी को अभियंता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अभियंता जल, थल और नभ तीनों क्षेत्रों में राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सर विश्वेश्वरैया के जीवन और कार्यों से सभी अभियंताओं, विशेषकर नवोदित अभियंताओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने फोरम के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी अनुभवी अभियंताओं की सक्रियता और अनुभव का लाभ जिले एवं प्रदेश को मिलना चाहिए। फोरम के संरक्षक इं.

आर.पी. शुक्ला ने फोरम के प्रेरणास्रोत संघरत्न इंजी. सुरेंद्र सिंह टुटेजा का भावपूर्ण स्मरण करते हुए फोरम की सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संघरत्न इंजी. टुटेजा की स्मृति में 22 अप्रैल 2026 को सेंट्रल गुरुद्वारा, गोंडपारा को जनसेवार्थ शव वाहन एवं डीप फ्रीजर प्रदान किया गया है। जिला समिति के सदस्य इं. आर.के. दीक्षित ने बताया कि वे फाउंडेशन फॉर एक्सीलेंस इंडिया ट्रस्ट से जुड़े हैं। उनके माध्यम से 400 निर्धन मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति दिलाई गई है, जिनमें 200 विद्यार्थी छत्तीसगढ़ के हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में मुख्य अभियंता इं. सुरेश कुमार पाण्डेय ने सभी अभियंताओं एवं मातृशक्ति को अभियंता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सर विश्वेश्वरैया के जीवन, कृतित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को रेखांकित करते हुए उनकी प्रतिमा स्थापना के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर तेजस्विनी कन्या छात्रावास की 6 कन्याओं को एक वर्ष के लिए गोद लेने हेतु छात्रावास अधीक्षिका को चेक प्रदान किया गया। नेपाल बाढ़ आपदा पीड़ितों की सहायता के लिए फोरम द्वारा 11 हजार रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा भी की गई। वरिष्ठ अभियंता इं. टी.आर. देवांगन का शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। तेजस्विनी कन्या छात्रावास की अधीक्षिका श्रीमती सुलभा ताई ने फोरम द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन के लिए आभार व्यक्त किया और सेवा कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अभियंता सपरिवार उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में इं. निर्मल शर्मा, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता, आर.ई.एस., इं. आर.के. बंजारे, अधीक्षण अभियंता, जल संसाधन मंडल बिलासपुर तथा इं. संजय शर्मा, सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता, पी.एम.जी.एस.वाई. उपस्थित रहे।

शहडोल स्टेशन के रेलवे उप मंडलीय चिकित्सालय में बहुद्देशीय चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

- 273 रेलकर्मियों एवं उनके परिजनों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण, 77 का बोन मिनरल डेंसिटी परीक्षण

बिलासपुर। रेल कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बिलासपुर मंडल द्वारा नियमित रूप से बहुद्देशीय चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शेख सिराजुद्दीन के नेतृत्व में 16 सितम्बर 2026 को शहडोल स्टेशन स्थित रेलवे उप मंडलीय चिकित्सालय में बहुद्देशीय चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शिशु रोग, स्त्री रोग, हड्डी रोग विशेषज्ञों एवं फिजीशियन द्वारा रेलकर्मियों एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शहडोल क्षेत्र के विभिन्न विभागों से लगभग 273 रेलकर्मियों एवं उनके परिजनों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ लिया। इस दौरान 55 कर्मचारियों को टिटनेस के टीके लगाए गए तथा हड्डियों के स्वास्थ्य की जांच के लिए 77 रेलकर्मियों एवं उनके परिजनों का बोन मिनरल डेंसिटी (डेक्सा) परीक्षण किया गया। शिविर में रक्तचाप, मधुमेह, ऊंचाई एवं वजन की जांच के साथ विभिन्न बीमारियों की स्क्रीनिंग की गई तथा आवश्यकतानुसार दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सकों की टीम ने विभिन्न बीमारियों के लक्षण, उनसे बचाव, आवश्यक सावधानियों एवं स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में उपयोगी जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शेख सिराजुद्दीन ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, जीवनशैली जनित रोगों की रोकथाम तथा मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

आशीर्वाद का दीया से जगमगाएगा बिलासपुर,जिले भर में शाम 7 बजे एक साथ जलेंगे 10 लाख दीप

- उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव की मौजूदगी में पुलिस परेड ग्राउंड में जलेंगे 1 लाख 25 हजार आशीर्वाद के दीए

बिलासपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सार्वजनिक सेवा के 25 बरस पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को जिलेभर में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बिलासपुर जिले में लगभग 10 लाख दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। जिला स्तरीय 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरूण साव के मुख्य आतिथ्य में पुलिस परेड ग्राउंड में शाम 7 बजे से होगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में 1 लाख 25 हजार दीपों का प्रज्वलन किया जाएगा। अभियान के तहत जिले के प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को भी दीपों से रोशन किया जाएगा। रतनपुर में 11 हजार, बेलपान में 1100, ताला में 1100 तथा मल्हार में 11 हजार दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके साथ ही जिले के चारों विकासखंडों की चयनित 44 ग्राम पंचायतों में शत-प्रतिशत घरों में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। जनपद पंचायत बिल्हा अंतर्गत बैमा, कोरबी, लिमतरी, भटगांव, परसदा भ., सरवनदेवरी, उच्चभट्ठी, धमनी, अकलतरी एवं देवकिरारी में, जनपद पंचायत कोटा अंतर्गत नवागांव सल्का, अमाली, नगोई, खोंगसरा, बेलगहना, बानाबेल, पटैता, खैरझिट्टी, खरगहनी, मोहदा, बरद्वार एवं अमने में शत-प्रतिशत घरों में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसी प्रकार विकासखंड मस्तुरी के दरौंघाट, सीपत, परसदावेद, बेलटुकरी, बिटकुला, खम्हरिया, गतौरा, पंधी, जोंधरा एवं गोपालपुर तथा जनपद पंचायत तखतपुर के लोखंडी, बोड़सरा, बिनौरी, खपरी, घुटकू, अमसेना, खरकेना, कोड़ापुरी, विजयपुर, गनियारी, छतौना एवं खजुरीनवागांव में भी प्रत्येक घर में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके अलावा हर गांव में 100 से ज्यादा आशीर्वाद के दीये जलाने की व्यवस्था की गई है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,मुख्यालय में राजभाषा पखवाड़ा-2026 का शुभारंभ किया गया.....

- रेलवे, मुख्यालय तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर के कार्मिकों के लिए हिंदी निबंध लेखन तथा हिंदी टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता आयोजित

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मुख्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं प्रचार-प्रसार को बढ़ाने के लिए दिनांक 14 सितंबर से लेकर 28 सितंबर 2026 तक राजभाषा पखवाड़ा-2026 मनाया जा रहा है । इस दौरान राजभाषा हिंदी में कामकाज को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने के लिए रेलवे तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर (कार्यालय) के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए विभिन्न प्रेरक प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं । हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 14 सितंबर, 2026 को माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह जी की अध्यक्षता में सिडको एक्जीबिशन सेंटर, नवी मुंबई में छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन एवं हिंदी दिवस समारोह का शुभारंभ किया गया । इस सम्मेलन में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर (कार्यालय) की ओर से प्रतिनिधित्व किया गया । इसी कड़ी में दिनांक 16.09.2026 को रेलवे तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर (कार्यालय) के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए रेलवे भर्ती बोर्ड, बिलासपुर स्थित सभाकक्ष में हिंदी निबंध लेखन तथा हिंदी टिप्पण आलेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता के लिए कार्यालयीन कार्य में हिंदी का प्रयोग: चुनौतियाँ और समाधान तथा जलवायु परिवर्तन और मानव जीवन पर प्रभाव विषय रखे गये थे। हिंदी टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता हेतु निर्धारित प्रश्नपत्र के उत्तर प्रतिभागियों द्वारा दिये गये। इन प्रतियोगिताओं में रेलवे तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर के कुल 41 आधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया । इस अवसर पर राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय, बिलासपुर द्वारा रेलवे के सभी

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में चलाया जाएगा 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा' अभियान!

- 01 अक्टूबर को 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' थीम पर राष्ट्रव्यापी श्रमदान कार्यक्रम का होगा आयोजन

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल में 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान का आयोजन 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत की थीम पर किया जा रहा है। इसके पश्चात स्वच्छता पखवाड़ा 01 से 15 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होगा। इस अवधि के दौरान विभिन्न स्वच्छता, जनजागरूकता एवं जनभागीदारी आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों को स्वच्छ बनाने के साथ-साथ स्वच्छता को जन-आंदोलन का रूप देना, नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना, कचरे के उचित प्रबंधन एवं पृथक्करण को बढ़ावा देना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ रेलवे परिवेश तैयार करना है। अभियान के दौरान दिनाँक 17 एवं 18 सितम्बर 2026 को रेलवे स्कूलों एवं कॉलोनियों में विद्यार्थियों एवं युवाओं को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कचरा पृथक्करण, जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। विद्यार्थियों के लिए रेलवे की स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं का भ्रमण, संवाद, वाद-विवाद, चित्रकारी प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दिनाँक 19 एवं 20 सितम्बर 2026 को कचरा संवेदनशील स्थलों एवं क्लीन्लिनेस टारगेट यूनिट्स (सीटीयूस) की विशेष सफाई कर उनका सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। साथ ही सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय प्रतिष्ठित व्यक्तियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। दिनाँक 21 एवं 22 सितम्बर 2026 को स्वच्छ स्टेशनड्डस्वच्छ रेलगाड़ी एवं स्वच्छ सार्वजनिक स्थान अभियान के अंतर्गत स्टेशनों एवं चयनित ट्रेनों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। ट्रेनों में शौचालय, कोच की स्वच्छता, लिनेन तथा ऑनबोर्ड हाउस कीपिंग (ओबीएचएस) एवं पैन्ट्रीकार की स्वच्छता का निरीक्षण किया जाएगा। स्टेशनों पर सूखे एवं गीले कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन तथा प्लास्टिक मुक्त प्लेटफॉर्म को बढ़ावा दिया जाएगा। दिनाँक 23 एवं 24 सितम्बर 2026 को जनभागीदारी के तहत रेलवे कॉलोनियों में घर-घर जागरूकता अभियान, होम कोंपोस्टिंग एवं बायो-कोंपोस्ट के प्रति जागरूकता, सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने तथा कपड़े के थैलों के उपयोग को बढ़ावा देने जैसे कार्यक्रम होंगे। साथ ही जीरो-वेस्ट खेल प्रतियोगिताएं तथा नेकी की दीवार एवं आरआरआर संग्रह केंद्रों के माध्यम से पुन: उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा। दिनाँक 25 एवं 26 सितम्बर 2026 को जीरो-वेस्ट थीम पर स्काउट गाइड एवं स्कूली बच्चों द्वारा खेल के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया जाएगा। 27 सितम्बर को विरासत एवं पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता अभियान, थीम आधारित ब्रांडिंग तथा यात्रियों को जिम्मेदार पर्यटन एवं नागरिक व्यवहार के प्रति जागरूक किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थान,बिलासपुर में अभियंता दिवस समारोह का आयोजन.....

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थान (सी. जी. आई. टी.) बिलासपुर में आज दिनांक 15 सितंबर 2026 को भारत के महान अभियंता एवं भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के अवसर पर अभियंता दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में संस्था के एलुमनाई एसोसिएशन के सदस्यगण अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य डॉ. एस. के. सिंघई ने की। प्राचार्य ने किया अतिथियों का स्वागत-संस्था के प्राचार्य डॉ. एस. के. सिंघई ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं अभियंता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एलुमनाई एसोसिएशन के सदस्यों की उपस्थिति को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि पूर्व छात्रों के अनुभव एवं मार्गदर्शन से वर्तमान विद्यार्थियों को अपने करियर एवं भविष्य की दिशा निर्धारित करने में सहायता मिलती है। प्रतिमा पर माल्यार्पण- कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था परिसर में स्थापित भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की प्रतिमा पर प्राचार्य डॉ. एस. के. सिंघई एवं उपस्थित एलुमनाई एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर महान अभियंता के योगदान को स्मरण करते हुए इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनके आदर्शों एवं मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया गया। एलुमनाई सदस्यों ने साझा किए अनुभव एवं प्रेरणादायक विचार- कार्यक्रम में एलुमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वर्ष 1977 मैकेनिकल इंजीनियरिंग बैच के पूर्व छात्र डॉ. टी. पी. एस. अरोड़ा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ड्ड) विभिन्न कानूनी एवं व्यावसायिक क्षेत्रों के लिए लाभदायक हो सकती है, लेकिन पुस्तकों से प्राप्त ज्ञान एवं मानव मस्तिष्क की क्षमता का महत्व सदैव बना रहेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन एवं ज्ञानार्जन के लिए प्रेरित किया। वर्ष 1977 सिविल इंजीनियरिंग बैच के पूर्व छात्र इंजी. अनिल व्यास ने अभियंताओं द्वारा अर्जित जीवन-मूल्यों एवं नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का संदेश दिया। वर्ष 1981 मैकेनिकल इंजीनियरिंग बैच के पूर्व छात्र डॉ. बी. एस. चावला ने अपने जीवन एवं कार्यक्षेत्र से जुड़े अनुभवों तथा प्रेरणादायक संस्मरणों को साझा किया। उनके अनुभवों ने विद्यार्थियों को व्यावहारिक जीवन एवं पेशेवर विकास के लिए प्रेरित किया। वर्ष 1982 सिविल इंजीनियरिंग बैच के पूर्व छात्र इंजी. सुधीर गुप्ता ने महाविद्यालय के नवप्रवेशित विद्यार्थियों एवं इंजीनियरिंग छात्रों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में और अधिक प्रगति करने तथा तकनीकी क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में एलुमनाई एसोसिएशन के अन्य सम्मानित सदस्य इंजी. आर. पी. पटेल (सिविल, 1982), इंजी. दुलीचंद अग्रवाल (सिविल, 1982), इंजी. गोपाल सिंह ठाकुर (सिविल, 1992) एवं इंजी. कृतिका अग्रवाल (मैकेनिकल, 2015) भी उपस्थित रहे।

शिल्पकला के जनक भगवान विश्वकर्मा की पूजा का महत्व

विश्वकर्मा पूजा हिंदू धर्म में भगवान विश्वकर्मा को समर्पित प्रमुख पर्व है। भगवान विश्वकर्मा को शिल्प, वास्तुकला, निर्माण और तकनीकी कौशल से जुड़ा देवता माना जाता है। यह पर्व खासतौर पर कारीगरों, इंजीनियरों, मैकेनिकों, फैक्ट्री कर्मचारियों, बिल्डरों, तकनीशियनों, व्यापारियों और मशीनों व उपकरणों के साथ काम करने वाले लोगों के लिए महत्वपूर्ण होता है। इस साल विश्वकर्मा पूजा गुरुवार, 17 सितंबर को मनाई जाएगी। इस दिन लोग अपने औजारों, मशीनों और कार्यस्थल की पूजा करते हैं और भगवान विश्वकर्मा से सुरक्षा, काम में सफलता, तरक्की और समृद्धि का आशीर्वाद मांगते हैं। चलिए आपको बताते हैं विश्वकर्मा पूजा की सही विधि और विश्वकर्मा

विश्वकर्मा पूजा कब है:

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, यह पर्व सूर्य के सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश करने (कन्या संक्रांति) के दिन मनाया जाता है। 17 सितंबर की सुबह 04 :28 बजे कन्या संक्रांति का क्षण होगा, जिसके कारण यह समय बेहद शुभ माना जा रहा है। इस समय सूर्य देव सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में आएंगे।

विश्वकर्मा पूजा की कथा और महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विश्वकर्मा को देवताओं के दिव्य निर्माणकर्ता के रूप में वर्णित किया गया है। मान्यताओं के अनुसार, उन्होंने देवताओं के लिए कई भव्य भवनों और नगरों का निर्माण किया। इसलिए उन्हें सृजन, निर्माण और शिल्प-कला का प्रतीक माना जाता है।

विश्वकर्मा मंत्र

पूजा के दौरान श्रद्धा के साथ ॐ विश्वकर्मणे नमः मंत्र का जाप किया जाता है. इसके अलावा भगवान विश्वकर्मा की आरती का पाठ भी किया जाता है।

विश्वकर्मा पूजा शुभ मुहूर्त 2026:

ब्रह्म मुहूर्त- सुबह 05 :58 बजे से सुबह 06 :44 बजे तक।
प्रात: सन्ध्या- सुबह 06 :21 बजे से सुबह 07 :30 बजे तक।
अभिजित मुहूर्त- दोपहर 01 :20 बजे से दोपहर 02 :10 बजे तक।
विजय मुहूर्त- दोपहर 03 :50 बजे से शाम 04 :40 बजे तक।
गोधूलि मुहूर्त- रात 07 :59 बजे से रात 08 :23 बजे तक।
सायाह्न सन्ध्या- रात 07 :59 बजे से रात 09 :09 बजे तक।
सर्वार्थ सिद्धि योग- सुबह 07 :30 बजे से शाम 04 :23 बजे तक।
रवि योग- सुबह 07 :30 बजे से शाम 04 :23 बजे तक।

विश्वकर्मा पूजा विधि:

इस दिन सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान आदि करने के बाद कार्यस्थल की साफ-सफाई करें और गंगाजल छिड़क कर शुद्ध करे। अब एक चौकी में लाल या पीले रंग का साफ कपड़ा बिछाएं और अष्टदल कमल बनाकर एक कलश और भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा या मूर्ति को स्थापित करें। इसके बाद सभी यंत्रों व औजारों पर रोली, चंदन और हल्दी लगाकर धूप-दीप से आरती उतारें। भगवान विश्वकर्मा को फल, फूल और मिठाई आदि का भोग लगाएं। पूजा के बाद प्रसाद ग्रहण करें और परिवारजनों में वितरित करें।

विश्वकर्मा पूजा सामग्री लिस्ट:

विश्वकर्मा पूजा में भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति या तस्वीर, चौकी, घी, इत्र, रोली, चंदन, सुपारी, पान के पत्ते, लौंग, इचायची, कपूर, जनेऊ, गंगाजल कलश, फल, फूल, मिठाई, नारियल, रोली, अक्षत (चावल), और कलावा आदि मुख्य रूप से इस्तेमाल किए जाते हैं।

कन्या संक्रांति के दिन सूर्य देव की पूजा-अर्चना

हिंदू धर्म में कन्या संक्रांति का विशेष महत्व है। इस दिन सूर्य सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश करता है। 17 सितंबर, 2026 को मनाया जाने वाला कन्या संक्रांति , हिंदू पंचांग के अनुसार सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने का पवित्र सौर संक्रमण काल है। यह खगोलीय घटना मौसमी परिवर्तन का संकेत देती है, जिसे कई क्षेत्रों में दान और विश्वकर्मा पूजा समारोहों के साथ मनाया जाता है। माना जाता है कि इस दिन सूर्य देव की पूजा करने से भक्तों पर सूर्य देव की कृपा बनी रहती है और स्वास्थ्य, यश, धन और जीवन में सफलता आती है।

यह समय पितृ पक्ष के आसपास आता है। ऐसी मान्यता है कि सूर्य देव की इस समय पूजा करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और घर-परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहता है। कन्या संक्रांति पर नदी मे स्नान और सूर्य को अर्घ्य देने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि इस दिन भक्तों द्वारा किया गया दान और पूजा कई गुना फल देती है।

कब है कन्या संक्रांति?

इस साल कन्या संक्रांति और विश्वकर्मा पूजा एक ही दिन पड़ रही है। इस वर्ष 17 सितंबर 2024 नहीं 2025 को कन्या संक्रांति और विश्वकर्मा पूजा मनाया जाएगा। जिस कारण से यह और भी ज्यादा खास रहेगा। इस दिन दोपहर 1 बजकर 46 मिनट पर सूर्य कन्या राशि मे प्रवेश करेगा।

कन्या संक्रांति पूजा शुभ मुहूर्त

पुण्य काल: दोपहर 1:46 बजे से शाम 6 :19 बजे तक (करीब 4 घंटे 33 मिनट)
महापुण्य काल: दोपहर 1:46 बजे से 3 :31 बजे तक (करीब 1 घंटा 45 मिनट)

गणेश जी को मोदक ही क्यों पसंद है?

गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को मोदक का भोग लगाने की परंपरा है। गणपति की प्रतिमाओं में भी कई बार उनके हाथ में मोदक दिखाई देता है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर गणेश जी को मोदक ही क्यों प्रिय माना जाता है? जानिए पौराणिक कथा।

■ मोदक से जुड़ी है अमृत की कथा

एक प्रचलित पौराणिक कथा के अनुसार, देवताओं ने माता पार्वती को एक दिव्य मोदक दिया था। जब गणेश जी को इस मोदक के विशेष गुणों के बारे में पता चला तो उन्होंने इसे पाने की इच्छा जताई। कथा में आगे बताया जाता है कि गणेश जी को वह मोदक प्राप्त हुआ और तभी से उन्हें मोदक प्रिय माना जाने लगा। इस कथा का उल्लेख कुछ धार्मिक परंपराओं में मिलता है, हालांकि अलग-अलग स्रोतों में इसकी कथा अलग रूप में भी मिलती है।

■ एक दांत टूटने से भी जोड़ी जाती है मान्यता

एक अन्य प्रचलित कथा भगवान गणेश

और परशुराम से जुड़ी है। कथा के अनुसार, दोनों के बीच हुए संघर्ष में गणेश जी का एक दांत टूट गया। इसी वजह से ऐसी मान्यता कही जाती है कि उन्हें नरम और आसानी से खाए जाने वाले मोदक पसंद आए। हालांकि यह ध्यान रखना जरूरी है कि इसे ऐतिहासिक तथ्य नहीं, बल्कि पौराणिक मान्यता के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

■ 'मोदक' शब्द का अर्थ भी है खास

मोदक को केवल मिठाई नहीं माना जाता। धार्मिक व्याख्याओं में इसे आनंद, प्रसन्नता और ज्ञान से जोड़कर देखा जाता है। यही वजह है कि गणेश पूजा में मोदक का भोग लगाने की परंपरा आज भी बेहद लोकप्रिय है।

■ गणेश चतुर्थी पर भक्त बप्पा को अर्पित करते हैं मोदक

यही कारण है कि गणेश चतुर्थी पर भक्त बप्पा को मोदक अर्पित करते हैं और फिर इसे प्रसाद के रूप में परिवार के लोगों में बांटते हैं। यानी गणेश जी का मोदक प्रेम सिर्फ स्वाद की कहानी नहीं, बल्कि भक्ति, आनंद और पौराणिक परंपरा से जुड़ी मान्यता भी है।

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि के जातकों के जीवन मे परिस्थितियो मे काफी बदलाव देखने को मिल सकता है। कामकाज से जुड़े मामलों मे आपको लाभ के नए अवसर प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा लोगों को किसी नई जिम्मेदारी या प्रोजेक्ट के जरिए अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिल सकता है। व्यापार करने वालों के लिए नए संपर्क लाभकारी साबित हो सकते हैं।

वृषभ राशि - गुरुवार 17 सितंबर 2026 को वृष राशि के जातकों को नई योजनाओं और सकारात्मक बदलावों वाला रहेगा। किसी महत्वपूर्ण काम को लेकर नवीन योजना बन सकती है, जिससे भविष्य में लाभ मिलने की संभावना है। आमदनी में वृद्धि के अवसर मिलेंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत करने की दिशा में आप आगे बढ़ेंगे।

मिथुन राशि - मिथुन राशि के जातकों को कल गुरुवार 17 सितंबर 2026 का दिन उत्साह और उमंग से भरा रहेगा। आपके अंदर नई ऊर्जा महसूस होगी और काम को पूरा करने का उत्साह बढ़ेगा। नौकरी करने वाले जातकों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को किसी महत्वपूर्ण काम मे सफलता मिल सकती है। किसी अपने की मदद से वह काम भी आसान हो जाएगा, जिसे लेकर आप कुछ समय से चिंतित थे।

कर्क राशि - कर्क राशि के जातक आर्थिक और व्यावसायिक मामलों मे समय अनुकूल रहेगा। अनावश्यक खर्चों मे कमी आने से आर्थिक स्थिति को बेहतर तरीके से संभाल पाएंगे। नौकरी और व्यापार से जुड़े लोगों को काम मे सकारात्मक परिणाम मिल सकते है। किसी महत्वपूर्ण सौदे या योजना को आगे बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। बीती हुई बातों को बार-बार सोचकर अपना वर्तमान खराब न करें।

सिंह राशि - सिंह राशियों के जातकों को मकान, वाहन और अन्य भौतिक सुख-सुविधाओं से जुड़े लाभ मिल सकते हैं। यदि आप लंबे समय से घर या वाहन खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो उससे संबंधित कोई सकारात्मक खबर मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। दाम्पत्य जीवन मे मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी के साथ रिश्ते और मजबूत होंगे।

कन्या राशि - कन्या राशि के जातकों के लिए शनिवार को धन प्राप्ति के अवसर बढ़ सकते हैं। कामकाज मे अचानक कोई ऐसा मौका मिल सकता है जिसका सही फायदा उठाने पर आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार मे किसी मांगलिक कार्य की तैयारी या शुभ आयोजन की चर्चा हो सकती है। रिश्तेदारों और करीबी लोगों का घर पर आना-जाना भी बना रहेगा। नौकरी करने वालों को अपनी मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है।

तुला राशि- तुला राशि के जातकों को नए योजनाओं को पूरा करने मे कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। किसी काम में अपेक्षा के अनुसार गति नहीं मिलने से थोड़ी निराशा हो सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा। आपकी बुद्धि और चतुराई आर्थिक परेशानियों को दूर करने में मदद करेगी।आपकी बात का आसपास के लोगों पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के जातको के लिए सकारात्मक रहने वाला है। संतान की उन्नति से मन प्रसन्न रहेगा और परिवार में खुशी का माहौल बनेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप महत्वपूर्ण फैसले अधिक मजबूती के साथ ले पाएंगे। अचानक किसी नए स्रोत से धन लाभ हो सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति संतुलित होगी। शाम तक किसी समारोह या सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है।

धनु राशि- धनु राशि के जातकों को कोई चिर संचित अभिलाषा पूरी होने की दिशा मे आगे बढ़ सकती है। लंबे समय से जिस अवसर का इंतजार था, वह आपको मिल सकता है। कर्मक्षेत्र मे अनुकूल वातावरण रहेगा और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आने के संकेत हैं। कारोबार के लिहाज से भी दिन लाभकारी रहेगा। किसी भी काम को जल्दबाजी के बजाय धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करें।

मकर राशि - कुंभ राशि के जातकों जीवन में कुछ नए संबंध बन सकते हैं। नए लोगो से मुलाकात भविष्य में आपके लिए उपयोगी साबित हो सकती है। पारिवारिक परेशानी से छुटकारा मिलने के कारण मन को राहत मिलेगी और घर का माहौल बेहतर होगा।घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न होगा।ऑफिस में काम की गति बढ़ेगी और महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूरे होने की संभावना है।

कुंभ राशि- आज आपके सामने कामकाज से जुड़ा कोई बड़ा अवसर आ सकता है और सही समय पर उठाया गया कदम आपको अच्छा लाभ दिला सकता है। किस्मत का साथ मिलने से मुश्किल काम भी आसान होते नजर आएंगे। घर का माहौल खुशनुमा रहेगा और परिवार में आपसी विश्वास तथा प्रेम बढ़ेगा। अचानक धन लाभ का कोई अवसर मिल सकता है। आपके काम से प्रभावित होकर लोग आपकी प्रशंसा करेंगे और करियर में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुल सकते हैं।

मीन राशि- मीन राशि के जातकों को अपनी वाणी पर विशेष नियंत्रण रखना होगा। आपकी कही हुई कोई बात किसी करीबी व्यक्ति को परेशान कर सकती है, इसलिए बातचीत में संयम और मधुरता बनाए रखें। जीवनसाथी आपकी बातों और विचारों से प्रभावित हो सकते हैं, जिससे दाम्पत्य संबंधों में सकारात्मकता आएगी। व्यापार के मामलों में दिन अच्छा रहेगा और सामाजिक कार्यों में भी सफलता मिलने के संकेत हैं।

सिंपल ड्रेस भी लगेगी डिजाइनर!

त्योहारों का सीजन है। त्योहार में हर कोई खूबसूरत दिखना चाहता है लेकिन हर बार महंगे और भारी भरकम डिजाइनर आउटफिट से खुद को स्टाइल करना नहीं चाहता। हालांकि सिंपल आउटफिट को अपनी ज्वेलरी से स्टाइल किया जा सकता है। कई बार हमारे पास पहनने के लिए खूबसूरत और महंगे आउटफिट नहीं होते, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि लुक स्टाइलिश नहीं हो सकता। सही ज्वेलरी और एक्सेसरीज की मदद से एक बेहद सिंपल कुर्ती, सूट या ड्रेस को भी एलिगेंट और डिजाइनर जैसा लुक दिया जा सकता है। खास बात यह है कि इसके लिए आपको अपने पूरे वॉर्डरोब को बदलने की जरूरत नहीं है।

कुछ ज्वेलरी, नेकपीस या एक्सेसरीज अपने कलेक्शन में जरूर शामिल करें, जिन्हें अपने हल्के और साधारण आउटफिट के साथ पेयर करके स्टाइलिश लुक अपना सकती हैं।

स्टेटमेंट नेकलेस देगा रॉयल लुक

अगर आपका आउटफिट सिंपल है, तो उसके साथ एक खूबसूरत स्टेटमेंट नेकलेस पहन सकती हैं। खासकर प्लेन कुर्ती या सिंपल साड़ी के साथ यह ज्वेलरी पूरे लुक को तुरंत आकर्षक बना सकती है। नेकलाइन के अनुसार नेकलेस चुनना ज्यादा बेहतर रहेगा।

झुमके बदल देंगे पूरा लुक

सिंपल आउटफिट के साथ बड़े झुमके या चांदबाली काफी खूबसूरत लग सकती हैं। अगर आप नेकलेस नहीं पहनना चाहतीं, तो सिर्फ स्टेटमेंट ईयररिंग्स से भी लुक को खास बनाया जा सकता है।

लेयरिंग नेकलेस करें ट्राई

प्लेन ड्रेस या वेस्टर्न आउटफिट के साथ लेयर्ड नेकलेस एक स्टाइलिश विकल्प है। इससे बेसिक आउटफिट मे भी थोड़ा फैशनेबल और मॉडर्न टच आ जाता है।

चूड़ियां और कड़ा भी हैं परफेक्ट

एथनिक आउटफिट के साथ कड़े, चूड़ियां या ब्रेसलेट आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ा सकते हैं। बहुत ज्यादा ज्वेलरी पहनने के बजाय एक या दो स्टेटमेंट पीस चुनें, ताकि लुक बैलेंस्ड रहे। अगर कपड़े बहुत ज्यादा प्रिंटेड या हैवी हैं, तो हल्की ज्वेलरी चुनना बेहतर होता है। वहीं प्लेन और सिंपल आउटफिट के साथ स्टेटमेंट ज्वेलरी ज्यादा उभरकर नजर आती है। यही छोटा-सा स्टाइलिंग नियम आपके पूरे लुक को ज्यादा पॉलिश बना सकता है।

भागदौड़ भरी आधुनिक जिंदगी में खुद को सेहतमंद और ऊर्जावान बनाए रखना किसी चुनौती से कम नहीं है। हम अक्सर अपनी व्यस्त दिनचर्या में छोटी-छोटी मगर बेहद महत्वपूर्ण आदतों को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे धीरे-धीरे शरीर में थकान, मानसिक तनाव और बीमारियों का खतरा बढ़ने लगता है। अगर आप भी अपनी लाइफस्टाइल में बड़ा बदलाव लाए बिना, केवल कुछ आसान आदतों को सुधारकर एक खुशहाल और रोगमुक्त जीवन जीना चाहते हैं, तो ये सुनहरे नियम आपकी जिंदगी को पूरी तरह बदल सकते हैं। आइए जानते हैं कि रोजमर्रा के जीवन में कौन-से बदलाव आपको लंबे समय तक फिट रख सकते हैं:

30 मिनट का वर्कआउट रूल (नियमित शारीरिक गतिविधि)

दिनभर में कम से कम आधा घंटा अपने शरीर को सक्रिय रखने के लिए जरूर निकाले। इसके लिए आपको रोज जिम जाने की ही जरूरत नहीं है; आप तेज चाल में टहलना (ब्रिस्क वॉक), एरोबिक्स या कोई पसंदीदा खेल खेलकर भी शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बना सकते हैं।

बॉडी को रखें फुल्ली हाइड्रेटेड (भरपूर पानी का सेवन)

पानी हमारे शरीर के विषाक्त पदार्थों (टॉक्सिन्स) को बाहर निकालने का सबसे बेहतरीन जरिया है। दिनभर में कम से कम 8 से 10 गिलास पानी पीने से न सिर्फ पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है, बल्कि त्वचा पर प्राकृतिक निखार भी बना रहता है।

थाली को बनाएं रंग-बिरंगा (संतुलित और पोषण युक्त आहार)

अपनी दैनिक खुराक मे प्र प्रचुर मात्रा में ताजे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, अंकुरित अनाज और प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। जितना हो सके प्रसंस्कृत (प्रोसेस्ड) भोजन और जंक फूड से दूरी बनाएं, क्योंकि आपकी सेहत का सीधा रास्ता आपकी थाली से होकर गुजरता है।

7 से 8 घंटे की गहरी नींद (शरीर का नेचुरल रिपेयर मोड)

जिस तरह मोबाइल को चार्जिंग की जरूरत होती है, उसी तरह हमारे मस्तिष्क और अंगों को री-सेट होने के लिए गुणवत्तापूर्ण नींद की आवश्यकता होती है। रोजाना 7-8 घंटे की निर्बाध नींद लेने से मानसिक थकान दूर होती है और इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है।

चिंचपोकली का चिंतामणि : 107 साल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत

मुंबई में सार्वजनिक गणेशोत्सव की परंपरा केवल धार्मिक उत्सव तक सीमित नहीं है। यह शहर के ऐतिहासिक प्रबोधन, सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक जागरूकता का भी अहम हिस्सा रही है। मध्य मुंबई के गिरणगांव का प्रतिनिधित्व करने वाले 'चिंचपोकली के चिंतामणि' (चिंचपोकली सार्वजनिक उत्सव मंडल) का इस परंपरा में बेहद खास और ऐतिहासिक स्थान है। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जनजागृति की मुहिम से प्रेरणा लेकर 6 सितंबर 1920 को स्थापित हुआ यह मंडल इस साल अपने 107 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। आगामी गणेशोत्सव के मौके पर मंडल की यह शताब्दी पार की समृद्ध विरासत एक बार फिर सामने आई है।

गिरणगांव के मजदूर आंदोलन से शुरू हुई परंपरा

आजादी से पहले मुंबई के 'गिरणगांव' के नाम से पहचाने जाने वाले परेल, लालबाग और चिंचपोकली इलाके में हजारों मिल मजदूर रहते थे। 1 अगस्त 1920 को लोकमान्य तिलक के निधन के बाद युवाओं में देशभक्ति और संगठित होने की भावना तेज हुई। इसी माहौल में दत्ताराम अर्जुन पुजारी, महादेव बसनाक, दत्ताराम रामचंद्र मायकर और कैप्टन ल. त्र्यं. पाटणकर जैसे स्थानीय कामगार नेताओं, शिक्षकों और युवाओं ने मिलकर इस उत्सव की शुरुआत की।सिर्फ 10 दिनों में और प्रत्येक सदस्य से चार-चार आने की वर्गणी जमा कर 16 सितंबर 1920, गणेश चतुर्थी के दिन पहली गणेश प्रतिमा

'डेक्कन कोर' की जगह पर स्थापित की गई। बाद में 1926 में गणपत सीताराम कामत मंडल के पहले अध्यक्ष बने। 1939 से चिंचपोकली रेलवे स्टेशन के पूर्वी हिस्से में गणेश प्रतिमा की स्थापना शुरू हुई और आज तक यह परंपरा लगातार जारी है।

मूर्तिकला की खास परंपरा और भव्य आगमन

समय के साथ मुंबई बदलती गई। 1982 की मिल हड़ताल के बाद मिलें बंद हुई और गिरणगांव का स्वरूप भी बदल गया। लेकिन चिंतामणि ने मुंबई की सांस्कृतिक विरासत को मजबूती से बनाए रखा। श्याम सारंग, वेलिंग मास्तर, मुंबई की भव्य गणेश मूर्ति परंपरा के प्रमुख शिल्पकार स्वर्गीय विजय खातू और अब उनकी बेटी रेश्मा खातू की कलात्मक सोच से तैयार होने वाली चिंतामणि की आकर्षक मूर्ति मुंबई की मूर्तिकला परंपरा का एक खास उदाहरण मानी जाती है।

सामाजिक कार्य और खेलों को भी बढ़ावा

मंडल ने केवल गणेशोत्सव मनाने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि सांस्कृतिक संरक्षण पर भी लगातार जोर दिया है। कबड्डी, खो-खो, मल्लखांब, कुश्ती, कैरम और वेटलिफ्टिंग जैसे पारंपरिक मराठी खेलों को भी मंडल की ओर से प्रोत्साहन दिया जाता रहा है। नवरात्रोत्सव और राष्ट्रीय त्योहारों के जरिए लोक कलाकारों को भी मंच उपलब्ध कराया जाता है।

उप मुख्यमंत्री ने सभी जिला पंचायतों के अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा दिए आवश्यक तैयारियों के निर्देश

आशीर्वाद के दीयों से पूरा छत्तीसगढ़ हो रौशन : उप मुख्यमंत्री आशीर्वाद के दीयों से पूरा छत्तीसगढ़ हो रौशन : उप मुख्यमंत्री

- **बस्तर में 'सेवा संकल्प अभियान' को मिलेगा विशेष स्वरूप, शहीद परिवारों और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी जलेंगे दीप**

रायपुर। 'सेवा संकल्प अभियान' को प्रदेशव्यापी जनभागीदारी का अभियान बनाने के उद्देश्य से उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने आज अटल नगर नवा रायपुर स्थित महानदी भवन से सभी जिलों के जिला पंचायत के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। बैठक में उन्होंने 17 सितंबर को आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम सहित पूरे अभियान की तैयारियों और इसके व्यापक संचालन को लेकर अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज के हर वर्ग और हर व्यक्ति को इससे जोड़ते हुए सेवा, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन का संकल्प बनाया जाए। आशीर्वाद के दीयों से पूरा छत्तीसगढ़ रौशन होना चाहिए। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक हितग्राही और प्रत्येक नागरिक को जोड़ना है। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को प्रदेशभर में लोग अपने-अपने स्थानों पर दीप जलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की राष्ट्रसेवा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करेंगे और वर्ष 2047 तक विकसित भारत तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प लेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान की पहुंच गांव के अंतिम व्यक्ति तक हो और इसमें शासन की योजनाओं के हितग्राहियों के साथ आम नागरिकों की भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप देने के लिए प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। स्कूलों और छात्रावासों, आंगनबाड़ी केंद्रों, शासकीय भवनों, स्वास्थ्य केंद्रों, महतारी सदनों, पीडीएस दुकानों, धान खरीदी केंद्रों, अमृत सरोवरों, अटल चौकों और धार्मिक स्थलों सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर दीप जलाए जाएंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के घरों में भी 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्ज्वलित किया जाएगा। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी बिहान की दीदियां भी इसमें सहभागी बनेंगी। पर्यटन स्थलों और अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर भी दीप प्रज्ज्वलन कर विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को जनभागीदारी से मजबूत किया जाएगा। बैठक में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बस्तर संभाग में 'सेवा संकल्प अभियान' को विशेष स्वरूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बस्तर में यह अभियान सेवा, शांति, विकास और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को अभिव्यक्त करने वाला बने। इसके तहत वीर गुण्डाधुर सेवा डेरा केंद्रों, सुरक्षा कैंपों, पुनर्वास केंद्रों तथा उन स्थानों पर विशेष रूप से दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे, जहां बड़े नक्सल अभियानों में सफलता मिली है।

चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के सदस्यों ने सब्जी विक्रेताओं को चिल्लर वितरण किया

बलौदाबाजार। बाजार में चिल्लर की समस्या को देखते हुए छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा व्यापारियों एवं सब्जी विक्रेताओं को राहत पहुंचाने की पहल की गई। चेंबर के पदाधिकारियों ने बाजार क्षेत्र में दुकानों पर जाकर व्यापारियों और सब्जी विक्रेताओं को आवश्यकतानुसार चिल्लर उपलब्ध कराया। चिल्लर की व्यवस्था के लिए भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से 1, 2, 10 और 20 मूल्यवर्ग के सिक्कों की व्यवस्था की गई। चेंबर पदाधिकारियों ने इन सिक्कों को व्यापारियों तक पहुंचाकर वितरित किया, ताकि रोजमर्रा के लेन-देन में ग्राहकों और दुकानदारों को परेशानी न हो। चेंबर के इस प्रयास से छोटे दुकानदारों, सब्जी विक्रेताओं सहित बाजार में खरीदारी करने वाले ग्राहकों को भी सुविधा मिलने की उम्मीद है। व्यापारियों ने बताया कि छोटे मूल्य के नोट और सिक्कों की कमी के कारण अक्सर खुले पैसे को लेकर परेशानी होती थी। ऐसे में बाजार में सीधे पहुंचकर चिल्लर उपलब्ध कराने की पहल उपयोगी साबित होगी। चिल्लर वितरण होने से व्यापारी एवं छोटे व्यापारी में हर्ष का माहौल -कपड़ा व्यापारी मेडिकल व्यापारी सर्राफ व्यापारी एवं सब्जी व्यापारियों ने चिल्लर वितरण होने से प्रशंसा व्यक्त की समय-समय पर इस प्रकार चिल्लर मिलने से बाजार में आए दिन होने वाली परेशानी दूर होगी सब्जी विक्रेता हीरामणि ने बताया एक बहुत अच्छी पहल है हम चेंबर का आभार व्यक्त करते हैं जिन्हें छोटे व्यापारियों के लिए चिल्लर की व्यवस्था की हम धन्यवाद देते हैं। सब्जी व्यापारी जयसवाल ने बताया चिल्लर की कमी के कारण व्यापार बहुत प्रभावित हो रहा था चेंबर ऑफकॉमर्स के सदस्यों का का आभार व्यक्त करते हैं समय-समय पर ऐसी व्यवस्था होने से हम छोटे व्यापारियों को व्यापार करने में असुविधा नहीं होगी। चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष लक्ष्मी साहू ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करना चेंबर की प्राथमिकता है। बाजार में चिल्लर की उपलब्धता बनाए रखने के लिए स्टेट बैंक के सहयोग से यह पहल की गई है। इससे व्यापारिक लेन-देन सुचारु होगा और ग्राहकों को भी खुले पैसे के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। चिल्लर वितरण में चैंबर ऑफ़ कॉमर्स का अध्यक्ष लक्ष्मी साहू ,शिव प्रसाद तिवारी, कालू धीवर, दिलीप माहेश्वरी ,संजय नारायण केसरवानी एवं अन्य सदस्य मौजूद थे।

मटिया में बारिश के सीजन में भी पेय जल संकट

बलौदा बाजार। भाटापारा जनपद अंतर्गत ग्राम मटिया में बारिश के मौसम में भी पेयजल की समस्या बनी हुई है। वार्ड क्रमांक 2, 3, 6 और 7 के लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। कुछ जगह नलों में पानी बहुत कम आ रहा है। कई घरों तक पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही। रोजमर्रा की जरूरत के लिए लोगों को पानी जुटाने इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक नल-जल योजना के तहत बनी पानी टंकी में पर्याप्त पानी भरा रहता है। टंकी से अंतिम छोर के घरों तक नियमित आपूर्ति नहीं हो पा रही। ग्रामीणों ने कहा कि बरसात में यह हाल है। गर्मी में समस्या और गंभीर होगी। तीजा पर्व के चलते इन दिनों गांव के कई घरों में बेटियां आई हैं। पानी की जरूरत बढ़ गई है। मटिया निवासी सीता साहू ने कहा कि तीजा में बेटियां घर आई हैं। पर्याप्त पानी नहीं मिलने से घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहा है। पानी के लिए जगह-जगह भटकना पड़ रहा है। डिगेश्वर साहू ने कहा कि सुबह का काफी समय पानी की व्यवस्था में निकल जाता है। ग्रामीणों ने कहा कि पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए रोज जद्दोजहद करनी पड़ रही है। ग्रामीण नरेश साहू ने बताया कि वार्डों के लोग पेयजल समस्या लेकर सरपंच के पास पहुंचे थे। समस्या बताई थी। अब तक स्थायी समाधान नहीं हुआ।

गांव-गांव पहुंचेगा सेवा और सुशासन का संदेश, जनभागीदारी से गति पकड़ेगा अभियान

योजनाओं और विकास की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर, सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की प्रभारी मंत्री ने की समीक्षा

सूरजपुर। सेवा, सुशासन और जनभागीदारी को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रस्तावित सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री तथा सूरजपुर जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने की। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैंकरा सहित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने अभियान की तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सेवा संकल्प अभियान को केवल सरकारी आयोजन तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसमें व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अभियान का संदेश जिले के प्रत्येक गांव, पंचायत और नागरिक तक पहुंचना चाहिए। शासन की योजनाओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की सेवा के अवसर पर आयोजित होने वाले इस अभियान के माध्यम से विकास और जनकल्याण की दिशा में हुए बदलावों को आम लोगों तक पहुंचाना महत्वपूर्ण है। जनता को यह बताया जाए कि पूर्व की परिस्थितियों की तुलना में वर्तमान में विकास के साथ किस तरह बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं और विकास कार्यों का वास्तविक लाभ जब अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा, तभी सेवा संकल्प अभियान की सार्थकता साबित होगी।बैठक में पंचायत स्तर तक शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी पहुंचाने के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों में रचनात्मक और प्रभावी कार्यक्रम आयोजित करने पर भी जोर दिया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान, स्वास्थ्य परीक्षण, सेवा सेतु अभियान और 'सरकार आपके द्वार' जैसे जनहितकारी कार्यक्रमों को अभियान से जोड़कर प्राथमिकता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए गए। प्रभारी मंत्री ने '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत', 'सेवा ज्योति यात्रा' और 'सेवा मेरा योगदान' सहित विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अभियान के कार्यक्रम भव्य, गरिमामय और जनभागीदारीपूर्ण होने चाहिए, ताकि सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण का संदेश समाज के व्यापक वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंच सके।उन्होंने अधिकारियों और पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ पूरी सक्रियता एवं जिम्मेदारी से कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। जिले में सेवा संकल्प अभियान को प्रभावी और सफल बनाने के लिए सभी विभाग अपनी भूमिका का गंभीरता से निर्वहन करें। बैठक में कलेक्टर रेना जमील ने सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की क्रमवार जानकारी दी।

शासकीय लक्ष्मणेश्वर महाविघालय खरौद में मनाया गया हिंदी दिवस

शिवरीनारायण। शासकीय लक्ष्मणेश्वर पी जी कालेज खरौद में हिन्दी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती, भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना के साथ हुआ। अंग्रेजी के प्राध्यापक ओ.पी.महिपाल ने भाषा और साहित्य के मद्देनजर हिंदी भाषा और देश की अन्य भाषाओं से हिंदी के मेल जोल के संबंध में विस्तृत विचार प्रस्तुत किया तथा महाविघालय के प्राचार्य डॉ.जी.सी.भारव्दाज ने अपने उद्बोधन में भाषायी सांस्कृतिक एकता और हिंदी भाषा विषय पर अपने विचार रखे। पुरा पाषाण युग,वैदिक युग,आदिकालीन हिंदी साहित्य और भाषा तथा संविधान द्वारा स्वीकृत हिंदी भाषा और राज्यों की बोलियों और भाषाओं पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसी तरह महाविघालय के क्रीडाधिकारी विश्वास विश्वकर्मा ,प्रो. आर. के कवंर ,प्रो.एल श्रीवास तथा छात्र छात्राओं एवं कार्यक्रम की नोडल अधिकारी प्रो.बलराम कौशिक ने भी अपना विचार प्रस्तुत करते हुए उपस्थित जनों के प्रति आत्मीय आभार व्यक्त किया। तत्पश्चात कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई।

गणेश समितियों की अधिकारियों ने ली मीटिंग, डीजे और पॉली पापर को लेकर दिए निर्देश

गणेश पर्व पर पंडालों के आसपास सफाई रखने की गई अपील

राजनांदगांव। नगर निगम सभाकक्ष में शहर की गणेश समितियों के पदाधिकारियों की बैठक ली गई। इसमें जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने गणेश समिति के पदाधिकारियों से कहा कि डीजे साउंड को मानकों के अनुरूप की बजाय। इसके अलावा पंडाल या रैली में पाली पापर का उपयोग न करे। इसके अलावा गणेश पंडाल के आसपास सफाई का पूरा ध्यान रखे। अधिकारियों ने कहा कि संस्कारधानी में गणेश पर्व काफी धूमधाम से मनाया जाता है, इसलिए गरिमा को ध्यान में रखकर इसे मनाया जाना चाहिए। निगम आयुक्त जीआर मरकाम ने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना में स्वच्छता का विशेष महत्व है। हमारा स्वच्छता अभियान माह 17 सितम्बर से चालू होकर 17 अक्टूबर तक चलेगा। इसी परिप्रेक्ष्य में आज गणेश समितियो की बैठक बुलाई गयी है। गणेश आगमन के दौरान यह देखा गया है, कि अधिकांश समितियो के द्वारा पॉली पापर उड़ाया गया है, जिससे पूरा शहर में गंदगी फैल गई। पॉली पापर का पालिथीन की सफाई नहीं होती जमीन में चिपक जाती है, वह ऐसा प्लास्टिक है, जो 50 साल तक नहीं सड़ता, जिससे स्वच्छता में दुष्प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमारे सफाई कर्मी उसकी सफाई नहीं कर पाते। इसका उपयोग नही करने आप सभी समितियो से अपील की जा रही है, उन्होंने कहा कि आप उत्सव मनाने के दौरान पॉली पापर के स्थान पर गुलाब की पंखुडी का उपयोग कर सकते है।

मीटिंग का उद्देश्य सौहाद्रपूर्ण वातावरण

एसडीएम गौतम पाटिल ने कहा कि बार-बार आप लोगों की मिटिंग लेने का उद्देश्य सौहाद्रपूर्ण वातावरण में गणेश पर्व मनाना है। कल जब गणेश स्थापना हुई उस दौरान देर रात तक डीजे लगातार बजता रहा शासन के निर्देशानुसार रात 10 बजे के बाद डीजे बजाना प्रतिबंधित है, इसका उद्देश्य लोगों पर इससे पड़ने वाला दुष्प्रभाव है। इसी प्रकार पूरे शहर में पॉली पापर बिखरा पड़ा था, जिससे शहर में चारों ओर गंदगी नजर आ रही थी। उन्होंने कहा कि सभी समिति सहयोग करे और इसका पालन करे। सीएसपी वैशाली जैन ने कहा कि पण्डाल के आसपास चार पहिया वाहन न रखे, इसपर विशेष ध्यान दे। भीड़ को देखते हुए पण्डाल के पास वाहन पार्क न होने दे, प्रशासन द्वारा तो व्यवस्था की जा रही है, आप लोग भी इसमें सहयोग करे। उन्होंने कहा कि सभी विषयो पर चर्चा हो चुकी है, आप लोग व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग प्रदान करे। एसडीओपी. सत्यप्रकाश तिवारी ने कहा कि संस्कारधानी में गणेश पर्व की अपनी अलग पहचान है। उस पहचान को कायम रखना है। ध्वनि प्रदुषण के लिए हाई कोर्ट द्वारा कार्यवाही करने के निर्देश है, डीजे को आप जनता के हित में बैन किया जाता है, किसी को परेशान करना उद्देश्य नही है।

कलेक्टर दर पर कर्मचारियों को नियमित वेतनमान देने की मांग लघु वेतन कर्मचारी संघ ने आईटीआई चौक में दिया धरना

कोरबा । छत्तीसगढ़ शासकीय लघु वेतन कर्मचारी संघ ने विभागीय आश्रम एवं छात्रावासों में कार्यरत कलेक्टर दर (आदेशित) चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को रिक्त पदों पर युक्तियुक्तकरण (समायोजन) कर नियमित वेतनमान दिए जाने की मांग को लेकर आईटीआई चौक पर एक दिवसीय सांकेतिक धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद संघ के प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपकर मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। संघ ने ज्ञापन में कहा है कि विभाग के आश्रम और छात्रावासों में रसोईया, जलवाहक और चौकीदार के रूप में कलेक्टर दर पर कर्मचारी लंबे समय से सेवाएं दे रहे हैं। इन कर्मचारियों को रिक्त पदों पर युक्तियुक्तकरण करते हुए नियमित वेतनमान का लाभ दिए जाने की मांग लगातार की जा रही है। इस संबंध में कलेक्टर (आदिवासी विकास) कार्यालय द्वारा 27 जून 2025 और 3 अगस्त 2026 को आदेश जारी किए जा चुके हैं। संघ के अनुसार, विभाग द्वारा इस मामले में आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, नवा रायपुर से मार्गदर्शन मांगा गया है, लेकिन अब तक मार्गदर्शन प्राप्त नहीं हुआ है। संघ ने आरोप लगाया कि केवल पत्राचार कर विभाग अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास कर रहा है। चेतावनी दी गई थी कि 11 सितंबर तक नियमित वेतनमान का लाभ नहीं दिए जाने पर आश्रमों में कार्यरत रसोईया, जलवाहक और चौकीदारों के साथ विभागीय कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय सांकेतिक ध्यानाकर्षण आंदोलन किया जाएगा।

शिव-पार्वती की पूजा कर सुहाग और सुखी दांपत्य जीवन की कामना

नगर भटगांव में हरतालिका व्रत कथा को लेकर महिलाओं में दिखा उत्साह

भटगांव । नगर भटगांव के ब्राम्हण पारा , देवांगन भवन , गोपाल देव जी मंदिर , दुर्गा मंदिर , राजा पारा , कुआ चौक , रहस चौक एवं विभिन्न स्थानों में हरतालिका व्रत पूजा कथा का आयोजन हर्षोउल्लास के साथ किया गया । हरतालिका तीज के अवसर पर सोमवार को महिलाओं ने श्रद्धा और आस्था के साथ भगवान शिव एवं माता पार्वती की पूजा-अर्चना की। सुबह से ही मंदिरों और घरों में पूजा की तैयारियां शुरू हो गई थीं। महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर भगवान शिव-पार्वती की प्रतिमा स्थापित की और विधि-विधान से पूजन कर हरतालिका व्रत कथा का श्रवण किया। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। पार्वती के पिता उनका विवाह भगवान विष्णु से करना चाहते थे, लेकिन माता पार्वती की इच्छा भगवान शिव को पति रूप में पाने की थी। उनकी सखी उन्हें वन में ले गईं, जहां माता पार्वती ने शिव की आराधना और तपस्या की। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार करने का वरदान दिया। इसी प्रसंग की स्मृति में हरतालिका तीज व्रत किए जाने की मान्यता है।पूजा के दौरान महिलाओं ने शिव-पार्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर फल, फूल, बेलपत्र, धतूरा तथा अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। इसके बाद सामूहिक रूप से हरतालिका व्रत कथा सुनी और भगवान शिव एवं माता पार्वती से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। हरतालिका तीज को विशेष रूप से सुहाग, दांपत्य सुख और पारिवारिक मंगल से जोड़कर देखा जाता है। कई स्थानों पर महिलाओं ने भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com